

अंकलाव में अंबाव के पास ST बस और टैंकर के बीच एक्सीडेंट, ST बस के 15 से ज़्यादा यात्री घायल



महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। ज़िले के अंकलाव तालुका में अंबाव के पास आज एक भयानक सड़क हादसा हुआ। बहुत तेज स्पीड से आ रहे एक टैंकर ने सड़ बस को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे बस में सवार 15 से ज़्यादा यात्री घायल हो गए। एक्सीडेंट के बाद घायलों को तुरंत इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया। जहाँ जिन मरीजों को आगे इलाज की ज़रूरत थी, उन्हें वख़ोदरा के गौत्री हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलने पर, अंकलाव मामलतदार मौके पर और हॉस्पिटल पहुँचे और घायलों से मिले। पुलिस ने टैंकर ड्राइवर के खिलाफ़ कानूनी कार्रवाई की है। गोधरा में ज्वाला युवा संगठन का बड़ा

प्रोग्राम: भाटिया समुदाय के होनहार छात्रों को सम्मानित किया गया। गोधरा में अहमदाबाद रोड पर भुरावाव में मौजूद स्वामीनारायण मंदिर में ‘ज्वाला युवा संगठन इंटरनेशनल ग्रुप’ की तरफ से भाटिया समाज के होनहार स्टूडेंट्स के लिए एक बड़ा सम्मान समारोह रखा गया। मां भगवती ज्वालामुखी के आशीर्वाद से हुए इस प्रोग्राम का मुख्य मकसद शिक्षा के क्षेत्र में ख़ास कामयाबी हासिल करने वाले स्टूडेंट्स की तारीफ़ करना और उन्हें आगे की तरक्की के लिए प्रोत्साहित करना था। इस ख़ास मौके पर पंचमहल जिला पंचायत अध्यक्ष नीरजभाई पटेल, APMC अध्यक्ष मालवदीपसिंह राउलजी, नगर अध्यक्ष जशोदाबेन प्रजापति, उपाध्यक्ष इशांतभाई सोनी, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. आनंदकुमार कलारी, महिला मोर्चा अध्यक्ष भक्तिबेन सोनी और लोक गायक बहादुरभाई गढ़वी ख़ास तौर पर मौजूद थे। प्रोग्राम के दौरान, गणमान्य लोगों ने होनहार स्टूडेंट्स को सम्मानित किया और उन्हें शिक्षा और संस्कृति हासिल करके देश का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं।

गोधरा के परवाड़ी में बनेगा नया 66 KV सब-स्टेशन, किसानों और व्यापारियों को होगा बहुत फ़ायदा।



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोधरा। MLA सी.के. राउलजी की कोशिशें गोधरा विधानसभा इलाके के लोगों को अच्छी और बिना रुकावट बिजली सप्लाई देने और लो-वोल्टेज की समस्या को हमेशा के लिए हल करने में सफल रही हैं। गोधरा शहर और आस-पास के ग्रामीण इलाकों में बढ़ती आबादी और इंडस्ट्रीज की वजह से बढ़ते पावर लोड को पूरा करने के लिए उन्होंने राज्य के एनर्जी मिनिस्टर और GETCO के सामने एक प्रपोजल रखा और नए सब-स्टेशन मंजूर करवाए। इसी प्लान के तहत, गोधरा तालुका के परवाड़ी में एक नया 66 KV सब-स्टेशन मंजूर हुआ। जमीन देने का प्रोसेस पोंडिंग होने की वजह से यह काम रुका हुआ था, लेकिन अब MLA की गाइडेंस में GETCO और परवाड़ी ग्राम पंचायत के बीच तालमेल से ज़मीन मंजूरी का रास्ता बन गया है। इस सब-स्टेशन के काम करने से स्थानीय लोगों को बिजली जाने की समस्या से हमेशा के लिए राहत मिलेगी। गोधरा के MLA सी.के. राउलजी के सीधे गाइडेंस में, GETCO अधिकारियों और परवाड़ी ग्राम पंचायत के बीच हुई एक पॉजिटिव मीटिंग में जमीन का झगड़ा जल्दी सुलझा लिया गया है। लोगों के हित के इस ज़रूरी प्रोजेक्ट की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, परवाड़ी ग्राम पंचायत की आम मीटिंग में एकमत से एक प्रस्ताव पास किया गया है। इस प्रस्ताव के मुताबिक, परवाड़ी में 66 KV सब-स्टेशन बनाने के लिए गांव लेवल के सर्वे नंबर 120 की जमीन में से ज़रूरी जमीन पावर कंपनी को देने में पंचायत को कोई एतराज नहीं है। पंचायत का फॉर्मल प्रस्ताव मिलते ही, पावर कंपनी ने जमीन देने के लिए पंचमहल कलेक्टर को रिक्वेस्ट लेटर भेज दिया है। कलेक्टर की मंजूरी मिलते ही, सब-स्टेशन बनाने का काम जल्दी शुरू कर दिया जाएगा, जिससे आस-पास के किसानों, व्यापारियों और लोगों को हाई-वोल्टेज और लगातार बिजली का फ़ायदा मिलेगा।

अहमदाबाद में सफ़ाई अभियान की धूम: ‘मेरा शहर, साफ़ शहर’ के संकल्प के साथ थलतेज वार्ड में सफ़ाई अभियान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने शहर को और सुंदर और कचरा-मुक्त बनाने के लिए सफ़ाई अभियान को तेज कर दिया है। अहमदाबाद के मेयर हितेश बारोट के मार्गदर्शन में शहर के अलग-अलग इलाकों में ख़ास सफ़ाई अभियान चलाया जा रहा है। आने वाले दिनों में शहर के अलग-अलग जोन और इलाकों में भी इसी तरह का बड़ा सफ़ाई अभियान चलाया जाएगा।



थलतेज वार्ड में संकल्प के साथ सफ़ाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा: बाइक को लॉरी में रखकर अनोखा विरोध जिला कांग्रेस अध्यक्ष रामभाई सोलंकी के सीधे नेतृत्व में निकाली गई इस रैली में सरकार की नीतियों के खिलाफ गहरा गुस्सा दिखा। पेट्रोल और डीज़ल की आसमान छूती कीमतों के विरोध मोटरसाइकिल रखकर एक सांकेतिक प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाएं देश के लाखों मासूम स्टूडेंट्स के भविष्य के साथ गंभीर और यह जन आक्रोश रैली विजयनगर के छत्रिया तिन्ह रास्ता से देशभक्ति के गानों और सरकार के खिलाफ़ बड़े-बड़े नारों के साथ शुरू हुई। जब रैली मेन मार्केट से होते हुए कोर्ट पहुँची, तो एक बड़ी पब्लिक मीटिंग में बदल गई। इस रैली में विजयनगर तालुका और साबरकांठा जिला कांग्रेस के सभी फ़्रंटल ऑर्गनाइज़ेशन के पदाधिकारी, चुने हुए जन प्रतिनिधि, एक्टिव वक्तर और लोकल लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे ।



कैमरे के सामने ‘चुड़ैल’ का खेल: चमत्कार है या भोली-भाली जनता के साथ धोखा? क्या बाबा बागेश्वर अस्पतालों को बंद करवा सकते हैं?

21वीं सदी में मानसिक गुलामी: ‘हिस्टीरिया’ जैसी बीमारी को भूत-प्रेत बताकर कब तक ठगी जाएगी जनता?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

राजकोट। रोला राजकोट की धरती से बाबा बागेश्वर के दरबार का एक हैरान करने वाला और दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर साइंस और कानून के इस ज़माने में समझदार लोगों का सिर शर्म से झुक गया है। अचानक, कहानी के पंखाल में एक ‘चुड़ैल’ एक औरत के शरीर में घुस जाती है, वह कूद-कूदकर लोगों को मारने दौड़ती है! दरबार में मौजूद हजारों लोग अंधविश्वास के इस नंगे नाच को हैरानी और डर से देख रहे हैं। लेकिन यहां सवाल यह उठता है कि— अगर यह चमत्कार नहीं है, तो भोली-भाली जनता को बेवकूफ बनाने का यह कैसा खेल है?!

‘दैवीय शक्ति’ को सलाम, लेकिन सिविल हॉस्पिटल की याद क्यों नहीं आती?

सोशल मीडिया पर इन सीन के वायरल होने के बाद लोगों में बहुत गुस्सा और लॉजिकल सवाल उठ रहे हैं। अगर लोग बेवकूफ नहीं बन रहे हैं और बाबा के पास सच में ऐसी नेगेटिव ताकतों को भगाने या दुख दूर करने की ‘डिवाइन पावर’ है, तो उस पावर को शत-शत नमन! लेकिन, यही जागरूक जनता आज बाबा से एक विनम्र लेकिन दिल से रिक्वेस्ट कर रही है। बाबा, अपने इन्हीं प्रभावशाली और पवित्र कदमों को अहमदाबाद के

ऑपरेशन छोटू वसावा: गुजरात पुलिस के इतिहास का एक मास्टरस्ट्रोक, जो आज भी नए अधिकारियों के लिए ‘केस स्टडी’ है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। गुजरात पुलिस के इतिहास में, भरूच पुलिस द्वारा किया गया ‘ऑपरेशन छोटू वसावा’ आज भी सर्पेंस, दमदार रणनीति और निडरता की एक अद्भुत साइकोलॉजिकल कवर स्टोरी है। यह उस समय की कहानी है जब झगड़िया के तत्कालीन रूढ़ छोटू वसावा का भरूच, नर्मदा और आसपास के आदिवासी इलाके में बहुत बड़ा प्रभाव था। आमतौर पर पुलिस भी उनके इलाके में जाने से हिचकिचाती थी, क्योंकि पल भर में हजारों समर्थक सड़कों पर उतर सकते थे। लेकिन गुजरात के उस समय के SP और अभी के DGP जी.एस. मलिक की लीडरशिप में बिना किसी ख़ून-खराबे के यह पूरा ऑपरेशन कैसे किया गया, जिसने यह साबित कर दिया कि कानून सबके लिए बराबर है, इसकी डिटेल्स बहुत दिलचस्प हैं।

गिरपतारी का बैकग्राउंड: लोकल इलेवशन के दौरान हिंसा

साल 2004-2005 के दौरान, जब IPS जी.एस. मलिक भरूच जिले के सुपरिंटेंडेंट ऑफ़ पुलिस के तौर पर काम कर रहे थे, तब झगड़िया, अंकलेश्वर और भरूच पंथक MLA छोटू वसावा का बहुत खौफ था। उस समय हुए लोकल इलेक्शन के दौरान बहुत टेंशन वाला माहौल बन गया था। वसावा के ग्रुप ने विरोधी पार्टी और लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने वाली पुलिस टीम पर भारी पत्थरबाजी की और सरकारी प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाया। भरूच के लोकल पुलिस स्टेशन में पुलिस की कानूनी ड्यूटी में रुकावट डालना, हिंसा, सरकारी कर्मचारी पर हमला और दंगा करने जैसी गंभीर और नॉन-बेलेवल धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया और डिस्टेंशन वार्ट जारी किया गया। क्योंकि वसावा उस समय लगातार चौथी बार MLA चुने गए थे, इसलिए उन्हें गिरफ्तार करना पुलिस के लिए लोहे के दाने चबाने जैसा था।

SP G.S. मलिक का ‘साइकोलॉजिकल



महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। वेसु इलाके में सोशल मीडिया और डेटिंग ऐप्स का गलत इस्तेमाल करके बदनामी और धर्म बदलने का फायदा उठाने का एक चौकाने वाला मामला सामने आया है। एक मुस्लिम युवक ने खुद को हिंदू और अविवाहित बताकर हिंदू लड़की को अपने प्यार के जाल में फंसाया। वेसु पुलिस ने रेप करने और शादी का झांसा देकर लाखों रुपये ऐंट लेने के इस गंभीर मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को राजकोट से गिरफ्तार कर लिया है। डेटिंग ऐप पर ‘फेक वूछ’ बनाकर भरोसा जीता। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी विधर्मी युवक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और डेटिंग ऐप्स पर झूठी पहचान बनाकर सूरत की पीड़ित लड़की से संपर्क किया था। शुरुआत में उसने खुद को हिंदू और क्वारो बताकर दोस्ती की और लड़की का



सिविल हॉस्पिटल में भी ले जाए! वहां IC में ज़िंदगी और मौत के बीच झूलते मासूम बच्चे, कैसर वार्ड में दर्द से तड़पते मरीज और लाचार परिवार आपकी इस ‘डिवाइन पावर’ का इंतज़ार कर रहे हैं। अगर एक चुड़ैल उंगली के छूने से भाग सकती है, तो हॉस्पिटल के हजारों

मरीजों की बीमारियाँ क्यों नहीं गायब हो सकतीं?

चमत्कारों के नाम पर मानसिक गुलामी कब तक चलती रहेगी?



मास्टर प्लान’

SP G.S. मलिक जानते थे कि अगर वह हथियारबंद जवानों, SRP स्कॉड और सरकारी गाड़ियों के काफिले के साथ गए, तो विरोधी पक्ष इसे जंग समझकर हथियारबंद विरोध करेगा और एक बड़ा नरसंहार हो सकता है। इसलिए उन्होंने एक माइंड गेम खेला और एक टॉप सीक्रेट ‘साइकोलॉजिकल ऑपरेशन’ का प्लान बनाया। इस ऑपरेशन के लिए किसी सीनियर या जाने-माने पुरुष पुलिस ऑफिसर को भेजने के बजाय, मलिक ने एक प्रोबेशनरी (नई सावा) महिला PSI मिनी जोसेफ को चुना। इसके पीछे की स्ट्रेटेजी यह थी कि वसावा या उनके समर्थक किसी महिला ऑफिसर को देखकर कोई बड़ा हथियारबंद विरोध या हिंसा न करें और मामला कानून के दायरे में रहे। पुलिस डिपार्टमेंट में भी बहुत कम लोगों को इस प्लान के बारे में पता था, ताकि जानकारी लीक होने की कोई गुंजाइश न रहे। सीक्रेट ऑपरेशन और मिनी जोसेफ की पक्की निडरता प्लान के मुताबिक, लेडी PSI मिनी जोसेफ अपनी टीम के साथ सीधे छोटू वसावा की ख़ास जगह (झगड़िया पंथक) की ओर आम प्राइवेट गाड़ियों में, बिना किसी सरकारी फ्लेयर्स या सायरन के निकल गईं। पुलिस फोर्स अचानक उस जगह पहुंच गई जहां छोटू वसावा मौजूद था। इससे पहले कि रूढ़ और उनके बाँड़ीगाईंस कुछ समझ पाते,

भरूच लोकल क्राइम ब्रांच का मजबूत कवर

इस ऑपरेशन में, भरूच लोकल क्राइम ब्रांच के इंचांज PI दिलीप अग्रवत और उनकी टीम का रोल बहुत अहम था और उन्होंने फील्ड लेवल पर ऑपरेशन को लीड किया। लोकेशन ट्रैकिंग: दिलीप अग्रवत ने अपनी टीम का इस्तेमाल करके वसावा की लोकेशन के बारे में सही जानकारी इस तरह से हासिल की कि किसी को शक न हो और यह बात SP मलिक तक पहुंचाई। मिनी जोसेफ आगे थे, तो LCB के सख्त और अनुभवी जवान सादे कपड़ों में उनके ठीक पीछे तैनात थे। वसावा के सपोर्टर्स की तरफ से किसी भी हथियारबंद हमले की हालत में, मिनी जोसेफ को तुरंत सुरक्षा देने के लिए LCB पूरी तरह से हथियारों से लैस थी।

सूरत में अपना धर्म छिपाकर हिंदू लड़की को फंसाने वाले दो बच्चों के पिता मुस्लिम युवक को राजकोट से गिरफ्तार किया गया



भरोसा जीत लिया। धीरे-धीरे रिश्ता गहरा होने पर उसने लड़की को शादी का झांसा देकर पूरी तरह से प्यार के जाल में फंसा लिया।

द्वारका-सूरत के होटलों में रेप और लाखों की ठगी

आरोपी पीड़ित लड़की को शादी का लालच देकर सूरत के अलग-अलग

21वीं सदी में, जब मेडिकल साइंस और टेक्नोलॉजी इलाज बीमारियों का इलाज ढूंढ रही हैं, ऐसे में धर्म के नाम पर स्टेज पर ऐसे नाटक करना समाज के लिए जानलेवा है। साइकैट्रिस्ट के मुताबिक, ये भूत-प्रेत या चुड़ैल नहीं, बल्कि गंभीर मेंटल स्ट्रेस और ‘हिस्टीरिया’ नाम की एक मेंटल बीमारी के लक्षण हैं, जिसका इलाज डॉक्टर के पास है, किसी बाबा की भभूति या कागज़ के टुकड़े में नहीं। लेकिन, ऐसी बीमारियों का इलाज करने के बजाय, उन्हें कैमरे के सामने लाकर लाइव टेलीकास्ट किया जा रहा है, अंधविश्वास की मार्केटिंग की जा रही है। जनता पूछ रही है कि अगर बाबा के आशीर्वाद से ही सब ठीक हो जाता है, तो क्या सरकार को करोड़ों के खर्च से बने मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल बंद कर देते चाहिए? तो बाबा, आप अहमदाबाद कब आ रहे हैं? आज खुलेआम सवाल पूछता है कि धर्म के नाम पर सिर्फ पंडितों और भक्तों की भीड़ में चमत्कार दिखाना आसान है, लेकिन असली परीक्षा तो हॉस्पिटल के मरीजों के बीच होती है। देश को अब अंधविश्वास की इन दुकानों के खिलाफ जागना होगा जो भोली-भाली जनता की जबे खाली कर रही हैं। अब देखना यह है कि राजकोट में डायन भगाने का दावा करने वाले बाबा बागेश्वर अहमदाबाद सिविल हॉस्पिटल के लाचार मरीजों की मदद के लिए आगे आने की हिम्मत दिखाएंगे या फिर हर बार की तरह सिर्फ ‘परचाओ’ के नाम पर भीड़ जमा करके चले जाएंगे!

पर्यावरण का बचाव और निर्माण ही कृष्ण भक्ति है



महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। जिले के धोराजी शहर में, नगर पालिका और यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया की धोराजी ब्रांच ने मिलकर 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाने के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया। इस सेमिनार के मुख्य वक्ता के तौर पर पर्यावरणविद श्री ताखुभाई संसूर मौजूद थे। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन के राज्य नेता श्री विनुभाई उकानी ने संबोधित भाषण में पर्यावरण के महत्व को स्थापित किया। राष्ट्रीय स्तर के काम में शामिल बी.आर. झाला ने कोरिया का उदाहरण देते हुए वहां के वन क्षेत्रों के विकास की कहानी पेश की। मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद श्री ताखुभाई संसूर ने कहा कि पर्यावरण गतिविधियां दो स्तंभों के साथ आगे बढ़ रही हैं, एक है संवर्धन और दूसरा है सृजन। हम जितना जोर सृजन पर देते हैं, उतना खेती पर नहीं! हमें विकास की एक सीमा को स्वीकार करना होगा और पर्यावरण की सुरक्षा को गंभीरता से लेना होगा। भगवान कृष्ण पर्यावरण, जल, जमीन, जंगल वगैरह से जुड़ी प्रकृति के देवता हैं। इसलिए, पर्यावरण से जुड़ी गतिविधियों से जुड़ा हर कोई कृष्ण भक्त है और वह गतिविधि कृष्ण भक्ति है। कार्यक्रम का संचालन श्री त्रिवेदीभाई ने किया। इस कार्यक्रम में डिबिजनल फरिस्ट ऑफिसर सुष्मी पेंड्रा, म्युनिसिपल प्रेसिडेंट श्री पायलबेन डोलकिया, श्री जयवीभाई कवानी और म्युनिसिपल चेयरमैन श्री अंताला समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे।

गांधीनगर में BJP का शक्ति प्रदर्शन: राज्यसभा चुनाव के लिए चारों उम्मीदवारों ने अपने नॉमिनेशन फाइल किए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगमीं चरम पर है। आज, BJP के चारों ऑफिशियल उम्मीदवारों ने गांधीनगर में फॉर्मल तौर पर अपने नॉमिनेशन पेपर जमा किए। इस मौके पर गुजरात के पॉपुलर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी ख़ास तौर पर मौजूद थे। टॉप लीडरशिप की मौजूदगी में, BJP ने फॉर्म भरने के प्रोसेस के दौरान अपनी ताकत का बड़ा प्रदर्शन किया। BJP से राज्यसभा के मैदान में उतरे उम्मीदवारों श्री राजूभाई शुक्ला, श्री मुकेशभाई राठवा, श्री मानसिंहभाई परमार और श्री जितेंद्रभाई कझरिया ने जीत के भरोसे के साथ रिटर्निंग ऑफिसर को अपने नॉमिनेशन पेपर जमा किए। फॉर्म भरने के बाद, असेंबली परिसर में उत्साह का माहौल था। इस शानदार मौके पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और हर्ष संघवी समेत पार्टी के बड़े नेताओं ने पारंपरिक तरीके से चारों उम्मीदवारों की पीठ थपथपाई और उन्हें शानदार जीत की बधाई दी। पार्टी नेताओं ने भरोसा जताया कि BJP के चारों टैलेंटेड उम्मीदवार संसद के ऊपरी सदन में गुजरात के विकास की कहानी और मजबूती से पेश करेंगे। इस नॉमिनेशन सेरेमनी के दौरान BJP के MLA, मंत्री और संगठन के बड़े नेता बड़ी संख्या में मौजूद थे।

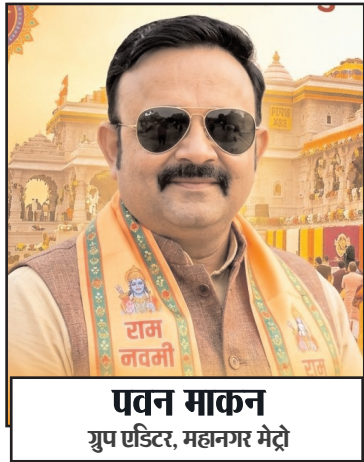
पद पाना तो समय का खेल है, लेकिन उसकी गरिमा बनाए रखना ही सच्चे लीडर की पहचान है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आज के समय में पावर पाना और ऊंचे पद पर पहुंचना नामुमकिन नहीं है। लेकिन असली चुनौती पावर की गद्दी पर बैठने के बाद शुरू होती है। जो शासक अहंकार और पावर के नशे में जनता को भूल जाता है, उसका समय तय है। पावर पाना एक हादसा हो सकता है, लेकिन उसे बनाए रखने के लिए काबिलियत चाहिए। गद्दी कोई ऐशो-आराम या लग्जरी की चीज नहीं सच्चा राजा वही है जो जनता के प्रति सेंसिटिव रहे, कानून का राज बनाए रखे और जनता की भलाई के लिए अपने सुखों को त्यागकर मुश्किल समय में डटा रहे। इतिहास गवाह है कि जो लोग सिर्फ पावर के दम पर राजा बने, उन्हें समय के साथ भुला दिया गया। लेकिन छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप जैसे न्यायप्रिय शासक अपने किए गए जनहित के कामों की सही सदियों बाद भी लोगों के दिलों में ज़िंद है। इतिहास सिर्फ जीतने वालों को ही नहीं, बल्कि न्याय करने वालों को भी याद रखता है। चाहे आप खाकी वर्दी पहनें या किसी नेता की कुर्सी पर बैठें, यह बात सबके लिए एक जैसी सच है।



अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उलगुलान करने वाले धरती आवा बिरसा मुंडा



बिरसा मुंडा

अपना पूरा जीवन

जल-जंगल-

जमीन को बचाने

के लिए समर्पित

किया और अंग्रेजों

के खिलाफ

उलगुलान से

आदिवासी सभ्यता

की रक्षा कर,

अपना अमूल्य

योगदान दिया। वे

भारत के एक

महान आदिवासी

नेता और

स्वतंत्रता सेनानी

थे, जिन्होंने

ब्रिटिश शासन के

खिलाफ विद्रोह

का नेतृत्व किया

था।

नौ

नौ जून बिरसा मुंडा का वलिदान दिवस है। उन्होंने अपना पूरा जीवन जल-जंगल-जमीन को बचाने के लिए समर्पित किया और अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान से आदिवासी सभ्यता की रक्षा कर, अपना अमूल्य योगदान दिया। वे भारत के एक महान आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था। धरती आवा बिरसा मुंडा का उलगुलान भूमि से लेकर धर्म सम्बन्धी तमाम समस्याओं के खिलाफ जनसंघर्ष था तथा उन समस्याओं के खिलाफ राजनीतिक समाधान का प्रयास भी। वह आदिवासी और खासकर मुंडा समाज की आंतरिक बुराईयों और कमजोरियों को दूर करने का सामूहिक अभियान भी था। समाज की परंपरागत प्रकृति निर्भर तत्व ने आर्थिक समाजवाद की अवधारणा को बिरसा के अंदर जागृम किया। गांधी से पहले गांधी की अवधारणा के तत्व के उभार के पीछे भी बिरसा का समाज एवं पड़ोस के सुक्ष्म अवलोकन एवं उसे नयी अंतर्दृष्टि देने का तत्व ही था। तभी तो उन्होंने गांधी के समान समस्याओं को देखा-सुना, फिर चिंतन-मनन किया। उन्होंने मुंडा समाज को पुनर्गठित करने का जो प्रयास किया, वह अंग्रेजी हुकूमत के लिये विकराल चुनौती बनी। नये बिरसाइत धर्म की स्थापना की तथा लोगों कों नई सोच दी, जिसका आधार सात्विकता, आध्यात्मिकता, परस्पर सहयोग, एकता व बंधुता था। समस्या के कारणों को दृढ़ 'गोरों वापस जाओह्म का नारा दिया एवं परंपरागत लोकतंत्र की स्थापना पर वल दिया, ताकि शोषणमुक्त ह्य आदिम साम्यवाद' की स्थापना हो सके। उन्होंने कहा -"महारानी राज जाएगा एवं अबुआ राज आएगा।

1857 के गदर शांत होने के बाद सरदार आंदोलन संगठित जनांदोलन के रूप में शुरू हो गया। 1858 से भूमि आंदोलन के रूप में विकसित यह आंदोलन 1890 में राजनीतिक आंदोलन में तब्दील हो गया, जब बिरसा मुंडा ने इसकी कमान संभाली। बिरसा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को खुंटी जिले के अड़की प्रखंड के उलिहातु गांव में हुआ था। व्यक्तिव निर्माण और तालीम ईसाई मिशनरियों के संरक्षण में हुई। स्कूली शिक्षा के दौरान बिरसा में विद्रोह के लक्षण प्रकट होने लगे। आदिवासियों में भूतकेता पहनाई आदि की परंपरा है। वे धार्मिक कृत्यों के लिये जमीन छोड़ते हैं। उस समय ईसाई पादरी उस जमीन पर मिशन का कब्जा करने की कोशिश करते थे। बिरसा ने इसकी शिनाख्त ईसाई मिशनरियों और गोरों की साजिशों के रूप में की और इसकी वेबाक ढंग से आलोचना की, जिस कारण वे स्कूल से निकाल दिये गये। इसके बाद वे सरदार आंदोलन में शामिल हो गये। ईसाई मिशन की सदस्यता छोड़ 1890-91 से करीब पांच साल तक वैष्णव संत आनंद पांडे से हिन्दुओं के वैष्णव पंथ के आचार का ज्ञान प्राप्त किय और व्यक्तिक तथा सामाजिक जीवन पर धर्म के प्रभाव का मनन किया। परंपरागत धर्म की और उनकी वापसी हुई और उन्होंने धर्मोपदेश देना तथा धर्माचरण का पाठ पढ़ाना शुरू किया । ईसाई धर्म छोड़नेवाले सरदार बिरसा के अनुयायी बनने लगे। बिरसा का पंथ मुंडा जनजातीय समाज के पुनर्जागरण का जर्जिया बना । उनका धार्मिक अभियान प्रकारांतर से आदिवासियों को अंग्रेजी हुकूमत और ईसाई मिशनरियों के विरोध में संगठित होकर आवाज बुलंद करने को प्ररित करने लगा। उस दौर उनकी लोकप्रियता इस कदर परवान चढ़ी कि उनके अनुयायी 'बिरसाइत' कहलाने लगे। उन्होंने सादा जीवन उच्च विचार अपनाने का उपदेश दिया और मुंडा समाज में व्याप्त अंधविश्वासों और कुदृतियों पर जमकर प्रहार किया । वह जनेउ, खड़ाउ और हल्दी रंग की धोती पहनने लगे। उन्होंने कहा कि ईश्वर एक है और वह है सिंगवोंगा। भूत-प्रेत की पूजा और बलि देना निरर्थक है।सार्थक जीवन के लिये सांमिष भोजन अथवा मांस-मछली



का त्याग करना जरूरी है। हड़िया पीना बंद करना होगा। बिरसा के लोकप्रिय व्यक्तित्व के कारण सरदार आंदोलन में नई जान आ गयी। अगस्त 1895 में वन सम्बन्धी बकाये की माफी का आंदोलन चला। उसका नेतृत्व बिरसा ने किया। धर्मिक आधारों पर एकजुट बिरसाइतो का संगठन जुझारू सेना की तरह मैदान मे उतर गया। बकाये की माफी के लिये उन्होंने चाईवासा तक की यात्रा की तथा रैयतों को एकजुट किया। अंग्रेजी हुकूमत ने बिरसा की मांग को ठुकरा दिया। बिरसा ने भी ऐलान कर दिया कि -" सरकार खत्म हो गयी। अब जंगल जमीन पर आदिवासियों का राज होगा। 9 अगस्त 1895 को चलकद में पहली बार बिरसा को गिरफ्तार किया गया, लेकिन उनके अनुयायियों ने उन्हे छुड़ा लिया।16 अगस्त 1895 को गिरफ्तार करने की योजना के साथ आये पुलिस वल को बिरसा के नेतृत्व में सुनियोजित ढंग से घेरकर खदेड़ दिया। इससे बौखलाई अंग्रेजी हुकूमत ने 24 अगस्त 1895 को पुलिस अधीक्षक मेयर्स के नेतृत्व में पुलिस वल चलकद रवाना किया तथा रात के अंधेरे में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर यह आरोप लगाया गया कि लोगों को ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ विद्रोह करने के लिये उकसा रहे थे। मुंडा और कोल समाज ने बिरसाइतों के नेतृत्व में सरकार के साथ असहयोग करने का ऐलान दिया। व्यापक विरोध के कारण मुकदमा चलाने का स्थान रांची से बदलकर खुंटी कर दिया गया, लेकिन विरोध के तेवर में फर्क नहीं पड़ने के कारण मुकदमें की कार्रवाई रोककर तुरंत जेल भेज दिया गया। भाद्रवि की धारा 505 के तहत मुकदमा चला तथा उन्हें दो साल सश्रम कारावास की सजा सुनायी गयी। उन्हें रांची से हजारीबाग जेल भेज दिया गया। 1997 में झारखंड में भीषण अकाल पड़ा तथा चेचक की महामारी भी फैली। आदिवासी समाज बिरसा के नेतृत्व के अभाव में भी दमन-शोषण, अकाल तथा महामारी से एकसाथ जुझता रहा। 30 नवम्बर 1897 को बिरसा जेल से छुटे तथा चलकद लौटकर अकाल तथा महामारी से पीड़ित लोगों की सेवा में जुट गये। उनका यह कदम अपने अनुयायियों को संगठित करने का आधार बना। फरबरी 1898 में डोम्बारी पहाड़ी पर मुंडारी क्षेत्र से आये मुंडाओं की सभा में उन्होंने आंदोलन की नई नीति की घोषणा की तथा खोये राज्य की वापसी के लिये धर्म तथा शांति का मार्ग अपनाने का आह्वान किया। उनके अभियान के तहत सामाजिक तथा सांस्कृतिक पक्ष को केन्द्र में रखकर आदिवासी समाज को मजबूत तथा संगठित करने का सिलसिला जारी रहा। 1889 के अंत में यह अभियान रंग लाया और अधिकार हासिल करने, खोये राज्य की प्राप्ति का लक्ष्य, जमीन को मालगुजारी से मुक्त करने तथा जंगल के अधिकार को वापस लेने के लिये व्यापक गोलवर्दी ष्णु हुई।

कोलेबिरा, बानो लोहरदग्गा, तोरपा, कर्रा, बसिया, खुंटी, मुरुह, बुंडु, तमाड़, पोड़ाहाट, सोनाहातु आदि स्थानों पर बैठक हुई।24 दिसम्बर 1899 को रांची के तोरपा, खुंटी, तमाड़ बसिया, आदि से लेकर सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर थाने तक में विद्रोह की आग भड़क उठी विद्रोह के दमन के लिये सिंहभूम से रांची तक 500 बर्गमील क्षेत्र में सेना और पुलिस की कम्पनी बुलाकर बिरसा की गिरफ्तारी का अभियान तेज किया गया। सरदारों पर हमला करने और आंदोलन का साथ देनेवालों मुंडा या मानकी को पांच सौ रुपये पुरस्कार देने का ऐलान किया। बावजूद इसके बिरसा को गिरफ्तार नहीं कर पायीं।बिरसा ने आंदोलन की रणनीति बदली, साठ स्थानों पर संगठन के केन्द्र बने। डोम्बारी पहाड़ी पर मुंडाओं की बैठक में 'उलगुलान' का ऐलान किया गया। बिरसा के इस आंदोलन की तुलना आजादी के आंदोलन में बहुत बाद 1942 के अगस्त क्रांति के काल से की जा सकती है। 1942 में महात्मा गांधी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था।

बिरसा के नेतृत्व में अफसरों, पुलिस, अंग्रेज सरकार के संरक्षण में पलनेवाले जमींदारों और महाजनों को निशाना बनाया गया। खुंटी, तोरपा, बसिया, तमाड़, सबादां, मुरुह, चक्रगणपुर, पोड़ाहाट रांची और सिंहभूम में गोरिल्ला युद्ध ने हुकूमत की चूल्हे हिला दी। आंदोलन को कुचलने के लिये रांची और सिंहभूम को सेना के हवाले कर दिया गया। 8 जनवरी 1900 को डोम्बारी पहाड़ियों पर जमी बिरसाइत के जत्थे पर सेना ने आक्रमण कर दिया तथा युद्ध के दौरान लगभग 200 मुंडा मारे गये। सैलकब पहाड़ी पर भी संघर्ष हुआ। इसके बाद भी बिरसा पकड़ में नहीं आये। आंदोलन की रणनीति के तहत अपने आंदोलन के केन्द्र बदले तथा घने जंगलों में संचालन के केन्द्र बनाये गये। जमकोपाई तथा पोड़ाहाट के जंगलों संगठन तथा प्रशिक्षण के केंप बनाये गये। 3 फरवरी 1900 को सेंतरा के पश्चिम जंगल में बने शिबिर से बिरसा को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे गहरी नौद में सोये हुए थे। पुलिस के भारी बंदोबस्त के साथ उन्हें तत्काल खुंटी के रास्ते रांची कारागार लाकर बंद कर दिया गया। बिरसा के साथ अन्य 482 आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ 15 आरोप दर्ज किये गये। शेष अन्य गिरफ्तार लोगों में सिर्फ 98 के खिलाफ आरोप सिद्ध हो पाया। बिरसा के विश्वासी गया मुंडा और उनके पुत्र सानरे मुंडा को फांसी दी गयी। गया मुंडा की पत्नी मांकी को दो वर्ष सश्रम कारावास की सजा दी। मुकदमें की

कांग्रेस पार्टी में कुर्सी की जिद, बगावती बुढ़ापा और बिखरी साख

लोकतंत्र में कोई उनकी विचारधारा से अलग सोच रख सकता है, लेकिन उनकी राजनीतिक समझ और सही टाइमिंग के मामले में वे आज भी बेजोड़ हैं। वे जानते हैं कि जब हवा का रुख बदल रहा हो, तो खुद को कैसे संभाला जाता है। पद पर न रहकर भी संगठन में अपनी साख को कैसे बरकरार रखा जाता है, यह कला दिग्विजय सिंह ने बखूबी दिखाई है। इसके ठीक उलट, जब हम मध्य प्रदेश की राजनीति में उनके ही समकालीन नेता कमलनाथ को देखते हैं। तो स्थिति बिल्कुल विपरीत नजर आती है। पार्टी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की जगह कमलनाथ पर भरोसा जताकर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी। लेकिन अपनी जिद और कुंठा के कारण कमलनाथ ने न सिर्फ सरकार गंवाई, बल्कि धीरे-धीरे प्रदेश में अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। हाल ही में एक राज्यसभा सीट के लिए दिल्ली से भोपाल तक की गई उनकी भागमभाग को सबने देखा। इतनी दौड़-धूप करने के बाद भी अंत में उन्हें खाली हाथ रहना पड़ा और सीट नहीं मिली, जिससे राजनीतिक गलियारों में उनकी जो किरकिरी हुई वह अलग। खुद को समय के अनुसार न ढालने की यह कुंठा किसी भी कद्दावर नेता के बने-बनाए इतिहास को धूमिल कर देती है।यही हाल राजस्थान के जादूगर कहे जाने वाले अशोक गहलोत का भी है। जब कोई नेता यह मान बैठता है कि पूरा प्रदेश उसकी मुट्ठी में है, तो वहाँ से उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक भूल शुरू होती है। जीवनभर सत्ता के शीर्ष पर रहने के बाद भी जब एक बड़ा नेता युवाओं का रस्ता रोकने लगता है, तो वह खुद अपनी इज्जत कम कर लेता

है। राजस्थान में सचिन पायलट के प्रति उनकी नफरत और पदों के लिए कभी न खत्म होने वाली भूख ने उनके कद को बहुत छोटा कर दिया है। सवाल यह है कि जब आप खुद पूरी जिंदगी मलाइंदार पदों पर रहे, तो आज युवाओं की महत्वाकांक्षा पर सवाल उठाने वाले आप कौन होते हैं? गहलोत के बदले हुए सुर और उनकी भाषा साफ इशारा कर रही है कि वे अब पार्टी से अलग रास्ता तलाश रहे हैं। अपनी राजनीति बचाने की जिद में वे अपनी ही इज्जत दांव पर लगा चुके हैं। अब होगा यह कि या तो वे खुद ही बाहर निकल जाएंगे, या फिर पार्टी उन्हें खुद किनारे लगा देगी।अशोक गहलोत और कमलनाथ का यह रुख कोई पहला उदाहरण नहीं है। कांग्रेस का इतिहास गवाह है कि जो नेता समय रहते मार्गदर्शक की भूमिका में नहीं आए, उन्होंने अपनी ही जिद से अपना राजनीतिक बुढ़ापा खराब कर लिया। पंजाब के कैप्टन अमरिंदर सिंह और जम्मू-कश्मीर के कद्दावर नेता गुलाम नबी आजाद इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पूरी जिंदगी पंजाब की सियासत पर राज किया, लेकिन आखिरी वक्त में कुर्सी न छोड़ने की जिद ने उन्हें उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया जहां आज उनकी कोई राजनीतिक पूछ नहीं है। यही हाल गुलाम नबी आजाद का हुआ, जिन्होंने अपनी नई पार्टी तो बना ली, लेकिन आज वे पूरी तरह अप्रासंगिक हो चुके हैं। इन नेताओं ने जीवन भर जो मान-सम्मान कमाया था, वह उम्र के आखिरी पड़ाव में आकर सिर्फ पदों की भूख के कारण मिट्टी में मिल गया।सियासत का यह कड़वा सच है कि समय हमेशा



एक जैसा नहीं रहता। जो नेता वक्त की नब्ब को पहचानकर नई पीढ़ी के लिए जगह खाली नहीं करते, इतिहास उन्हें कभी सम्मान से याद नहीं रखता। दिग्विजय सिंह के इस कदम से बाकी वरिष्ठ नेताओं को यह सीखना चाहिए कि राजनीति सिर्फ पद की नहीं, बल्कि कद की होती है और कद कभी कुर्सियों से नहीं, बल्कि सही समय पर गरिमा के साथ पीछे हटने से बढ़ा होता है।

अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस: अतीत की धड़कन, भविष्य की दिशा: अभिलेखागार



सुनील कुमार महला

तिहासिक दस्तावेजों और अभिलेखों के संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 9 जून को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का आयोजन अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) द्वारा किया जाता है, जो विश्वभर में अभिलेखों के संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में प्रमुख संस्था है।इस दिवस का इतिहास भी अत्यंत रोचक है। संयुक्त राष्ट्र

संपादकीय
प्रतिरोध के तेवर
मुख्य न्यायाधीश की कॉकरोच वाली टिप्पणी के प्रतिरोध में व्यंग्यात्मक रूप में अस्तित्व में आई कॉकरोच जनता पार्टी ने आखिरकार आर्पासी दुनिया से निकलकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर दस्तक दे ही दी। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के दिल्ली पहुंचने और हजारों युवाओं की भागीदारी के बाद शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन समाप्त हो गया। सीजेपी का आरोप है कि नीट परीक्षा रद्द होने के बाद कई छात्रों ने आत्महत्या की है। पिछले दिनों सीजेआई द्वारा 'फेक डिग्री वाले युवाओं' की तुलना कॉकरोच से करने के बाद ऑनलाइन व्यंग्यात्मक आंदोलन के जमीन पर उतरने और विपक्षी दलों के समर्थन ने निक्षप ही सरकार की चिंता बढ़ाई है। ऑनलाइन मूवमेंट को लाखों युवाओं का समर्थन मिलने के बाद सरकार ने पहले सख्ती भी दिखायी थी। जंतर-मंतर के प्रदर्शन के बाद अभिजीत दीपके ने सरकार को सात दिन का समय देने की बात कही। साथ ही इसे मजब एक ट्रेंडर बताया है। उनकी दलील थी कि यह पार्टी योजनाबद्ध नहीं, स्वतःस्फूर्त पार्टी है और सरकार से नाराज हर छात्र की आवाज बनेगी। पार्टी ने देश में युवाओं के सपने टूटे हैं, जो अब कॉकरोच को प्रतिरोध का प्रतीक बनाकर विरोध जता रहे हैं। राजनीति के पंडित जंतर-मंतर में सीजेपी को प्रदर्शन के लिये अनुमति दिए जाने पर हैरानी जता रहे हैं। उनका मानना है कि पड़ोसी देशों में जेन जी पर हुई सख्ती के बाद उग्र होने वाले आंदोलन सरकार को याद आए हैं, यही वजह है कि उसने कुछ उदारता बरती है। साथ ही यह भी कोशिश है कि देश के लाखों परिवारों से जुड़ा पेपर लीक का गुस्सा किसी तरह शांत हो जाए। यूं तो विषम आर्थिक परिस्थितियों में बेरोजगारी तो बढ़ी है, साथ ही रोजगार देने वाली व्यवस्था की विफलता देश के युवाओं को अर्थात कर रही है। वे अपने भविष्य को लेकर खासे चिंतित हैं। इसीलिए शिक्षा और रोजगार देने वाली व्यवस्था का मुद्दा युवाओं को प्रभावित कर रहा है। विपक्षी राजनीतिक दल आरोप लगा रहे हैं कि यह आंदोलन युवा अशांति,जवाबदेही और असहमति की स्वतंत्रता का प्रतीक बन रहा है। तभी युवाओं ने हेय दृष्टि से देखे जाने वाले जुए कॉकरोच यानी तिलचट्टे को जीवटता के प्रतीक के रूप में परिभाषित किया है। यह बताने की कोशिश कि मुश्किल हालात में भी वे अपनी बात को रखते रहेंगे। युवाओं का मानना है कि पार्टी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अंकुश लगाना डिजिटल लोकतंत्र को नियांत्रित करने का प्रयास है। युवाओं की मांग है कि स्वस्थ लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त असहमति को शांतिपूर्ण ढंग से स्वीकार किया जाए। कहा जा रहा है कि कॉकरोच आंदोलन ने लोकतंत्र के सभी हितधारकों मसलन राजनीतिक वर्ग, नौकरशाही, न्यायपालिका तथा मीडिया को आत्मनिरीक्षण का मौका दिया है।
सूक्ति
प्रत्येक शिथु एक संदेश लेकर आता है कि भगवान मनुष्य को लेकर हतोत्साहित नहीं है।
– रविन्द्रनाथ टैगोर
पुरुष की सिगरेट से लेकर टायर तक में वह दखल देती है।
– हरिशंकर परसाई

सावधान! अचानक मोबाइल की स्क्रीन काली हुई, फोन गरम हुआ और उड़ गए 1,91,000



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सेंट्रल जिले की साइबर पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए बैंक खातों को किराए पर देने और साइबर ठगी की रकम को ठिकाने लगाने वाले एक शातिर ‘मनी म्यूक’ गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के जयपुर से दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो साइबर अपराधियों को बैंक खाते उपलब्ध कराते थे। जांच में अब तक ऐसे करीब 30 फजीई खातों के नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जिनका इस्तेमाल देश भर में साइबर ठगी के पैसों को घुमाने के लिए किया जा रहा था। डीसीपी सेंट्रल रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि 22 अप्रैल 2026 को ठगी की एक वारदात हुई थी। जब पीड़ित का मोबाइल फोन अचानक बंद हो गया, उसकी स्क्रीन पूरी तरह काली हो गई और फोन असामान्य रूप से गर्म होने लगा। कुछ देर बाद फोन सामान्य हुआ, तो पीड़ित के होश उड़ गए, उसके खाते से बिना किसी अनुमति या ओटीपी के 95 हजार रुपये कट चुके थे। अगले ही दिन 23 अप्रैल को उसी खाते से 96 हजार की एक और ट्रंजैक्शन की गई। कुल 1,91,000 की ठगी होने के बाद पीड़ित ने सेंट्रल जिले के साइबर थाने में शिकायत दी, जिस पर ई-एफआईआर दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर थाने की टीम ने जब पैसों के ट्रान्सफर (मनी ट्रेल) की तकनीकी और वित्तीय जांच की, तो पता चला कि ठगी की रकम यस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के अलग-अलग खातों में ट्रान्सफर की गई है। तकनीकी सर्विलांस की मदद से पुलिस की टीम सीधे जयपुर (राजस्थान) पहुंची और सांगानेर इलाके से दो आरोपियों को दबोच लिया। आरोपी रोहित कुमार बैरवा (21) और लोकेश महावर (21) सांगानेर, जयपुर का रहने वाले हैं। रोहित 2 प्रतिशत कमीशन के लालच में साइबर अपराधियों को अपने और अन्य लोगों के बैंक खाते मुहैया कराता था। जबकि लोकेश सिंक्रिटेड का मुख्य संचालक है, जो रोहित जैसे युवाओं से खाते लेकर आगे बड़े साइबर ठगों को सप्लाई करता था।

IGI एयरपोर्ट पर आंधी-तूफान के बीच एअर इंडिया के 3 विमानों को पहुंचा नुकसान, जांच में जुटा DGCA



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तेज आंधी की वजह से एअर इंडिया के तीन विमान ग्राउंड स्पोट उपकरण से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गए थे नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया है. डीजीसीए इस हादसे की पूरी जांच करेगा और लापरवाही बरतने वालों की जिम्मेदारी तय करेगा. ये हादसा रविवार शाम को आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 पर हुआ था. अचानक आई तेज आंधी और तूफान की वजह से वहां खड़े ग्राउंड स्पोट उपकरण अपनी जगह से हिल गए थे. तेज हवाओं के थपड़ों के कारण ये उपकरण वहां पार्क किए गए एयर इंडिया के तीन सिंगल आयल एयरक्राफ्ट से जा टकराए. इस टक्कर में तीनों विमानों को नुकसान पहुंचा है. सरकारी सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि इस मामले को गहन जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी. एयरपोर्ट से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, रविवार शाम करीब 4:40 बजे अचानक बहुत तेज हवाएं चलने लगीं. उस समय तूफान को लेकर मौसम विभाग की तरफ से कोई पहले से चेतावनी नहीं दी गई थी. पार्किंग स्टैंड पर खड़े इंडियो इंजीनियरिंग और एअर इंडिया इंजीनियरिंग के एक स्टेप लैंडर और एक ट्रेस्टल तेज हवा की वजह से अपनी जगह से खिसक गए और विमानों से टकरा गए. इंडियो के सूत्रों का कहना है कि उन्होंने अपने ट्रेस्टल को अच्छी तरह बांधकर सुरक्षित किया था, लेकिन आंधी इतनी तेज थी कि वो खुल गया. हादसे के बाद तीनों विमानों की जांच और मरम्मत के लिए खड़ा (ग्राउंडेड) कर दिया गया है. विशेषज्ञों का कहना है कि इनमें से एक विमान को ठीक होने में कुछ दिन का समय लगेगा, जबकि बाकी दो विमान इसी हफ्ते दोबारा उड़ान भर सकेंगे. इस घटना ने एयरपोर्ट की सुरक्षा और प्रबंधन पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं. सभी एयरलाइंस और एयरपोर्ट अधिकारी इस बात से हैरान हैं कि इतने बड़े तूफान को लेकर पहले से कोई मौसम चेतावनी क्यों नहीं जारी की गई. अगर मौसम की चेतावनी पहले मिल जाती, तो मैदान पर मौजूद सभी उपकरणों को समय रहते सुरक्षित बांध दिया जाता, जिससे ये हादसा टल सकता था. इसी साल जनवरी में घने कोहरे के बीच न्यूयॉर्क से आए एयर इंडिया के एक नए ए350 विमान के इंजन में रनवे पर चलते समय एक लावारिस बैग कटेरन समा गया था. डीजीसीए अब इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रहा है.

अमित शाह ने दिल्ली के अरयप्पा मंदिर में ‘सबरीसम कॉम्प्लेक्स’ का किया उद्घाटन



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नई दिल्ली स्थित भगवान अयप्पा मंदिर में सबरीसम कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया. गृह मंत्री ने यहां मंदिर में पूजा-अर्चना भी की. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में अमित शाह ने कहा, ‘नई दिल्ली के आरके पुरम स्थित भगवान अय्यप्पा मंदिर में पूजा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ.अमित शाह ने आगे बताया, ‘भगवान अय्यप्पा आनंद के दाता और हमारे राष्ट्र को एकजुट करने वाले पवित्र मूल्यों के प्रतीक हैं.’ उन्होंने कहा, मैंने सभी के कल्याण और समृद्धि के लिए भगवान से प्रार्थना की. उन्होंने कहा कि नवनिर्मित सबरीसम कॉम्प्लेक्स में मंदिर द्वारा संचालित आध्यात्मिक प्रवचन और कल्याणकारी पहल आयोजित की जाएंगी और केरलम से भाई-बहनों की सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत किया जाएगा.

लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम का शुभारंभ करेंगे शाह

मोदी सरकार देश की सीमा प्रबंधन व्यवस्था को अत्याधुनिक और हाई-टेक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 9 जून को ‘लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम’का शुभारंभ करेंगे. यह एक उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म होगा, जो देश के सभी भूमि बंदरगाहों को एकीकृत नेटवर्क से जोड़ने का काम करेगा. जानकारी के मुताबिक, इस नई व्यवस्था के लागू होने के बाद भारत के भूमि बंदरगाह भी एयरपोर्ट और समुद्री बंदरगाहों की तरह आधुनिक डिजिटल तकनीकों से लैस हो जाएंगे. L.PMS के जरिए कार्गो और यात्रियों की प्रोसेसिंग पूरी तरह डिजिटल हो जाएगी, माना जा रहा है कि इससे प्रक्रियाएं अधिक तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनेंगी. इस प्लेटफॉर्म पर डिजिटल स्लॉट बुकिंग, ऑनलाइन भुगतान, रीयल-टाइम ट्रैकिंग और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस जैसी कई आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी.

इजराइल में लगेगी छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा, मुंबई आए कॉन्सुलेट जनरल ने किया बड़ा ऐलान

मुंबई में इजराइल के कॉन्सुलेट जनरल ने घोषणा की है कि वह इजराइल में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक प्रतिमा लगाएंगे। यह घोषणा ‘शिवराज्याभिषेक दिन’ के मौके पर की गई,

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सम्मानपूर्वक अनुरोध करता हूं। ऐतिहासिक संदर्भों, कलात्मक सलाह, डिजाइन से जुड़ी बातों और किसी भी अन्य सहायता के संबंध में महाराष्ट्र सरकार के साथ सहयोग करने का अवसर पाकर हमें खुशी होगी, जिससे इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को पूरा करने में मदद मिल सके। 'पीएम मोदी की इजराइल यात्रा ने दोनों देशों की दोस्ती की मजबूत' इजराइल के कॉन्सल जनरल ने कहा कि मेरा मानना ​​है कि बाद के चरण में हम इसे लोगों का प्रोजेक्ट बना सकते हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि यह

मुंबई की नाइट पार्टी में ओवर ड्रिंक से युवक की मौत, महिला गंभीर, Spacebound Web Labs CEO अरेस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुंबई। वीकेंड पर पार्टी करना कुछ लोगों को भारी पड़ गया। यह पार्टी वलीं के NSCI Dome में हुई। इस म्यूजिक इवेंट के दौरान ज्यादा शराब पीने से बीमार पड़ने के बाद, 28 साल के एक लॉ ग्रेजुएट की मौत हो गई और एक महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने कहा कि मौत की असली वजह का पता पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट मिलने के बाद ही चलेगा। तारदेव पुलिस ने रविवार को इवेंट ऑर्गनाइजर, स्पेसबाउंड वेब लैब्स के ध्रुवधर कर्ण सिंह और मैनेजर पाराग नरेंद्र उके के खिलाफ लापरवाही से मौत और मशीनरी के इस्तेमाल में लापरवाही बरतने के आरोप में BNS की धारा 106 और 289 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने करण सिंह का बयान दर्ज किया और उन्हें नोटिस दिया। उनके वकील जुलिसफार मेमन ने FIR दर्ज होने की पुष्टि की, लेकिन ज्यादा जानकारी देने से इनकार करते हुए कहा कि मामला अभी जांच के दायरे में है। गौरेगांव ईस्ट म्यूजिक कॉन्सर्ट में भी हुई थी ऐसी ही घटना यह घटना लगभग दो महीने बाद हुई है, जब गौरेगांव ईस्ट के एग्जिबिशन सेंटर में एक म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के 25 छात्रों

मुंबई: चातुर्मास में भिक्षुओं के लिए बना सफेद लाइन को लेकर विवाद, घाटकोपर में आमने-सामने आए मराठी और जैन समुदाय

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुंबई। घाटकोपर में एक हाउसिंग सोसायटी में जैन मुनियों (संतों) के स्वागत के लिए फुटपाथ पर सफेद रंग से खींची गई एक लाइन को लेकर मराठी और जैन समुदाय के लोगों के बीच तनाव पैदा हो गया है. जैन समुदाय का कहना है कि उन्होंने सोसायटी की कमेटी से अनुमति लेने के बाद इस लाइन को खींचा है, जबकि इस लाइन को खींचे जाने का विरोध कर रहे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर प्रसाद वेदपाठक ने सोसायटी कमेटी और प्रशासन ने लाइन को तुरंत हटाने की मांग की है. दरअसल, घाटकोपर स्थित कैलास एवेन्यू हाउसिंग सोसायटी और आसपास के कई अन्य सोसायटियों में मानसून के दौरान जैन मुनियों के स्वागत के लिए फुटपाथ पर सफेद लाइन बनाई गई है. जैन समुदाय का तर्क है कि ये लाइन जैन संतों के पैदल चलने के लिए अस्थायी रूप से बनाई गई है. इस पर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर प्रसाद वेदपाठक ने इस सफेद लाइन को लेकर आपत्ति जताई है. प्रसाद ने दावा किया कि उनके परिवार के पास उस जमीन का मालिकाना हक है, जिस पर कैलास एवेन्यू

मौसम विभाग ने दिया बड़ा अपडेट, गरज-चमक के साथ होगी बारिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो



पुणे। मॉनसून ने महाराष्ट्र में दस्तक दे दी है और मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में राज्य के कई हिस्सों में बारिश की संभावना जताई है। दृष्टि के अनुसार, पुणे में आज शाम तक मॉनसून पहुंच सकता है। जिले में इस सप्ताह पुणे में आसमान ज्यादातर साफ रहेगा। लेकिन दोपहर या शाम के समय आंशिक रूप से बादल छाने, गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और आंधी-तूफान की संभावना बनी रहेगी। मौसम विभाग ने बताया कि मौजूदा मौसमीय परिस्थितियां मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल हैं।

इन राज्यों की ओर बढ़ेगा मॉनसून

अगले तीन से चार दिनों में मॉनसून महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों के साथ-साथ कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पूर्वोत्तर राज्यों के कई क्षेत्रों में आगे बढ़ सकता है। दृष्टि के अनुसार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और अरब सागर क्षेत्र में सक्रिय चक्रवाती परिसंचरण तथा

गर्मी से मिलेगी राहत

मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों में मॉनसून की रफ्तार और तेज हो सकती है, जिससे राज्य के कई जिलों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। पुण के लोगों को भी इस हफ्ते गर्मी से राहत मिल सकती है। खासकर शाम के समय बारिश होने से लोगों को राहत मिलेगी।

तया कंप्यूटर की गलती ने बिगाड़ दिया बच्चों का भविष्य? CBSE के नए मूल्यांकन सिस्टम पर HC ने मांगा जवाब



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। 12वीं बोर्ड परीक्षा देने वाले लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़े एक अहम मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को CBSE और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। आरोप है कि CBSE के नए ऑनस्क्रीन मार्किंग सिस्टम में तकनीकी खामियों के कारण कई छात्रों के अंकों पर असर पड़ा, जिससे उनके कॉलेज ड्रुखले और करियर की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा और जस्टिस मधु जैन की वेकेशन बेंच ने यह कार्रवाई हस्ट्रु की जनहित याचिका पर की। याचिका में दावा किया गया है कि डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली के तहत पेपर के स्कैन धुंधले थे, कई जगह पन्ने गायब थे, कुछ जवाब सही तरीके से अपलोड नहीं हुए और छात्रों को अपेक्षा से काफी कम मार्क्स मिले।

याचिका पर CBSE की आपत्ति

मामले की गंभीरता इस बात से समझी जा सकती है कि 12वीं बोर्ड एग्जाम के मार्क्स इस उच्च शिक्षा और कई प्रोफेशनल कोर्स में प्रवेश का आधार बनते हैं। यदि मूल्यांकन प्रक्रिया में तकनीकी गड़बड़ी हुई है, तो इसका खामियाजा सीधे छात्रों को भुगतना पड़ सकता है। सुनवाई के दौरान CBSE ने याचिका की स्वीकार्यता पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसे एक राजनीतिक संगठन ने दायर किया है। उन्होंने कहा कि यह एक राजनीतिक पार्टी का छात्र संगठन है। हम नहीं चाहते कि शिक्षा का इस तरह राजनीतिकरण हो। दावा किया कि छात्रों की शिकायतों का समाधान किया जा रहा है। वहीं याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि बड़ी संख्या में छात्रों और अभिभावकों की शिकायतें यह दिखाती हैं कि समस्या व्यक्तिगत नहीं बल्कि व्यापक स्तर की है। हस्ट्रु की ओर से पेश वकील ने कहा कि भले ही NSUI एक राजनीतिक पार्टी से जुड़ी है, लेकिन इससे याचिका दायर करने की योग्यता पर कोई असर नहीं पड़ता। हाई कोर्ट ने फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचे बिना CBSE और सरकार से जवाब मांगे और मामले की अगली सुनवाई 12 जून को तय की।

DTC के बड़े में शामिल होंगी AC वाली 2800 नई ई-बसें, 'लास्ट-माइल कनेक्टिविटी' को मजबूत करने की योजना



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में योजना बसों में सफर करने वाले लाखों यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। दिल्ली सरकार सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए डीटीसी के बड़े में 2800 नई एसी लो-फ्लोर इलेक्ट्रिक बसें शामिल करने जा रही है। इस साल के अंत तक सभी बसें आ जाएंगी सर, अलग अलग लॉट में। सरकार का कहना है कि इससे बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी और शहर के दूर-दराज के इलाकों तक बस सेवा का विस्तार होगा। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बताया कि भारत सरकार की पीएम ई-ड्राइव स्कीम के तहत नौ-मीटर वाली 1400 और 12-मीटर लंबाई वाली 1400 इलेक्ट्रिक बसों को डीटीसी के बड़े में शामिल किया जाएगा। इनके आने से दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में सार्वजनिक परिवहन तक पहुंच और बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि सरकार का फोकस केवल मुख्य मार्गों पर बसें बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन इलाकों तक भी सार्वजनिक परिवहन पहुंचाने पर है जहां अभी सुविधाएं अपेक्षाकृत कम हैं। इसी उद्देश्य से 'लास्ट-माइल कनेक्टिविटी' को मजबूत करने की योजना बनाई गई है, ताकि लोगों को घर या कॉलोनी के नजदीक से बस सुविधा मिल सके और मेट्रो व अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों तक पहुंच आसान हो सके। 12 मीटर लंबाई वाली 1400 बसें होंगी 9 मीटर वाली 1400 बसें होंगीइस साल के अंत तक इलेक्ट्रिक बसों की संख्या 7500 करने का है लक्ष्य 9-मीटर वाली इलेक्ट्रिक बसों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा परिवहन विभाग के अनुसार, दिल्ली में पहले से चल रही 9-मीटर वाली इलेक्ट्रिक बसों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है।

नौकरी और घर का झांसा देकर महिला टीचर से 20 लाख से ज्यादा की ठगी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे शहर से थोखाधड़ी की एक बड़ी खबर आई है। जहां एक आदमी ने 36 साल की महिला टीचर से करीब 20.44 लाख रुपये ठग लिए. आरोपी ने महिला को नौकरी का झूठ झांसा दिया था. पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. पुलिस ने बताया कि ये पूरा मामला अक्टूबर 2022 से जून 2024 के बीच का है. 33 साल के आरोपी ने सबसे पहले महिला को कलवा इलाके के एक सरकारी अस्पताल में रिसेशनिस्ट की नौकरी दिलाने का भरोसा दिया. इसके बदले उसने महिला से 5 लाख रुपये ले लिए. पैसे लेने के बाद आरोपी ने महिला को एक नकली जॉइनिंग लेटर भी थमा दिया. आरोपी ने महिला को पोस्ट ऑफिस स्कीम का फ्रेंचाइजी लाइसेंस दिलाने का लालच दिया. इस काम के लिए उसने महिला से 50,000 रुपये और एंठ लिए. इसके बदले में भी उसने महिला को फर्जी कामजात दे दिए. आरोपी ने महिला को अपने जाल में पूरी तरह फंसा लिया था. उसने महिला के लिए एक घर बुक करने का बहाना बनाया. इस नाम पर उसने महिला से 13 लाख रुपये और एंठ लिए. इस तरह आरोपी ने कुल मिलाकर 20 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी की. महिला को जब अपने साथ हुई थोखाधड़ी का एहसास हुआ, तो उसने पुलिस में शिकायत की. पीड़िता की शिकायत के आधार पर राबोडी पुलिस ने कार्रवाई की है. पुलिस ने 5 जून को आरोपी के खिलाफ थोखाधड़ी, फर्जीवाड़ा और ब्रीच ऑफ ट्रस्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और अब आगे की जांच कर रही है.

टीम इंडिया की शानदार जीत: अफ़ग़ानिस्तान को एक पारी और 300 रन से रौंदा!



महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंडियन क्रिकेट टीम। एक बार फिर टेस्ट क्रिकेट में अपना दबदबा साबित किया है और टेस्ट मैच में अफ़ग़ानिस्तान के खिलाफ एक पारी और 300 रन से ऐतिहासिक जीत हासिल की है।इस धमाकेदार डेब्यू के बाद क्रिकेट पंडित और फैंस सोशल मीडिया पर एक ही सवाल पूछ रहे हैं कि क्या टीम इंडिया को रवींद्र जडेजा का परफेक्ट रिप्लेसमेंट मिल गया है?

इस खिलाड़ी को 'सर जडेजा' का वारिस क्यों माना जा रहा है?

1. लेफ्ट-आर्म स्पिन्नर और अग्रेसिव बैटिंग का खतरनाक कॉम्बिनेशन:

रविंद्र जडेजा की तरह यह युवा खिलाड़ी भी लेफ्ट-आर्म स्पिन बॉलर है और लोअर-ऑर्डर में आकर अग्रेसिव बैटिंग करने की काबिलियत रखता है जो मैच का रुख मोड़ सकता है। अपने डेब्यू मैच में उसने प्रेशर में शानदार बैटिंग की और टीम का स्कोर मजबूत किया।

2. सटीक लाइन-लेंथ और विकेट लेने की काबिलियत:

जडेजा की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह बैट्समैन को खेलने का बिल्कुल भी टाइम नहीं देते।

3. रॉकेट आर्म फील्डिंग:

मॉडर्न क्रिकेट में फील्डिंग बहुत इंपॉर्टेंट है। बल्कि अगले दशक के लिए भारतीय क्रिकेट के नए सुपरस्टार की एंट्री का ऑफिशियल अनाउंसमेंट है। अब देखना यह है कि उसमें लंबी दूरी का रस का घोड़ा बनने के सारे गुण हैं। टीम इंडिया और के इस युवा खिलाड़ी को हुत-बहुत बधाई!

आनंद LCB की बड़ी कार्रवाई: 32 भारतीयों को वर्क परमिट और अच्छी सैलरी का लालच देकर रूस भेजने वाला एजेंट पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। आनंद पुलिस ने उन एजेंटों और तत्वों के खिलाफ आखें मूंद ली हैं जो गुजरात से लोगों को गैर-कानूनी तरीके से या लालच देकर विदेश भेजते हैं और कबूतरबाजी में शामिल हैं। आनंद लोकल क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है और 32 बेगुनाह भारतीय नागरिकों को वर्क परमिट और आकर्षक महीने की सैलरी का झूठा लालच देकर रूस भेजने के बड़े स्कैम में शामिल मुख्य एजेंट को गिरफ्तार किया है। आनंद पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से गैर-कानूनी तरीके से लोगों को विदेश भेजने वाले एजेंटों की दुनिया में भारी हलचल मच गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार एजेंट आम और मिडिल क्लास परिवारों के नौजवानों को टारगेट कर रहा था। पुलिस जांच में पता चला है



वीरप्पन से जुड़े मामले में अभिनेत्री सुकन्या को मिली बड़ी जीत

-30 साल लड़ी कानूनी लड़ाई के बाद मिलेगा 10 लाख का मुआवजा

चेन्नई (एजेंसी)। अभिनेता कमल हासन के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म 'इंडियन' में काम कर चुकी मशहूर अभिनेत्री आर. सुकन्या ने एक निजी टेलीविजन नेटवर्क के खिलाफ तीन दशक पुरानी मानहानि की कानूनी लड़ाई जीत ली है। मद्रास उच्च न्यायालय ने निवृत्ती अदालत के फैसले की बरकरार रखते हुए संबंधित टीवी नेटवर्क को आदेश दिया है कि वह अभिनेत्री को मुआवजे के तौर पर 10 लाख रुपये का भुगतान करे। यह पूरा मामला साल 1996 का है और इसका सीधा संबंध कुख्यात चंदन तस्कर व डकैत वीरप्पन से जुड़ा हुआ है। दरअसल, वर्ष 1996 में इस टीवी नेटवर्क ने पत्रकार नक्कीरन आर. गोपाल द्वारा जंगल में लिए गए वीरप्पन के एक इंटरव्यू का प्रसारण किया था। इस इंटरव्यू के दौरान डकैत वीरप्पन ने अभिनेत्री सुकन्या को लेकर बेहद आपत्तिजनक और मानहानिकारक टिप्पणियां की थीं, जिन्हें चैनल ने बिना किसी काट-छाट या संपादन (एडिट) के सीधे प्रसारित कर दिया था। सुकन्या ने आरोप लगाया था कि चैनल ने उनकी छवि को धूमिल करने और उन्हें अपमानित करने के उद्देश्य से जानबूझकर इस आपत्तिजनक हिस्से को नहीं हटाया। इसके बाद उन्होंने 1996 में ही मद्रास उच्च न्यायालय में टीवी नेटवर्क, पत्रकार गोपाल और वीरप्पन के खिलाफ 10 लाख रुपये के नुकाने का सिविल मुकदमा दायर किया था। बाद में इस मामले को सिटी सिविल कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान टीवी नेटवर्क ने दलील दी थी कि उनका इरादा किसी को बदनाम करने का नहीं था, बल्कि पत्रकार ही उनके पास वह फुटेज लेकर आए थे। दूसरी ओर, पत्रकार गोपाल ने अदालत को बताया कि अनुबंध के अनुसार चैनल के पास पूरे इंटरव्यू को संपादित करने, कटने या किसी भी हिस्से को हटाने का पूरा अधिकार था। उन्होंने चैनल को 9 घंटे की फुटेज सौंपी थीं, जिसमें से चैनल ने केवल 4 घंटे का हिस्सा ही प्रसारित किया था।

राम मंदिर में चढ़ावे के करोड़ों रुपए गायब, कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध

–सपा प्रमुख अखिलेश ने इस मामले में यूपी सरकार और मंदिर ट्रस्ट को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने दावा किया है कि मंदिर के चढ़ावे में आए करोड़ों रुपए गायब हो गए हैं। इस मामले को लेकर उन्होंने सोधे योगी सरकार और मंदिर ट्रस्ट को घेरा है। यादव ने इस मामले में कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सपा प्रमुख अखिलेश ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि 'राम मंदिर' के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब हो गई है।' यादव ने पोस्ट में कहा, 'ये मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक की बात है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता। उन्होंने कहा कि कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की मांग है क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है। सरकार की चुपची साक्ष्य है।'

वहीं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के



महासचिव चंपत राय ने कहा कि समय-समय पर आंतरिक ऑडिट होता रहता है। इस प्रक्रिया में ट्रस्ट और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। ऑडिट की प्रक्रिया कई दिनों तक चलती है। इन दिनों की यही काम हो रहा है। अभी तक कोई खास बात सामने नहीं आई है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के न्यासी और निर्माहो अखाड़े के महंत दिनेन्द्र दास ने अखिलेश यादव के बयान पर कहा कि अगर इस मामले में किसी ने कुछ गलत किया है, तो

भगवान राम स्वयं उन्हें दंडित करेंगे।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों और सरकार द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय ट्रस्ट को स्वीकार्य है। दास ने कहा कि अगर कोई गलती हुई है, तो वह सामने आ जाएगी। अगर कोई कुकर्म हुआ है, तो जिम्मेदार लोगों को उसके परिणाम भुगतने होंगे।

सपा प्रमुख ने मंदिर ट्रस्ट की ओर से चंपत राय के जवाब पर तंज कसते हुए कहा कि 'स्पष्टीकरण ही स्पष्ट नहीं है।' यादव ने कहा लगता है ये इनके लिए हर

हालिया संकेतों से बहीं अटकलें, मोदी कैबिनेट में जल्द होगा फेरबदल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के वर्तमान कार्यकाल के दो साल पूरे होने के अवसर पर केंद्रीय मंत्रिमंडल में जल्द ही फेरबदल और विस्तार की अटकलें तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी के हालिया संगठनात्मक और रणनीतिक कदमों ने इन कयासों को हवा दी है। इन कदमों में दो केंद्रीय मंत्रियों को राज्य इकाइयों की अहम जिम्मेदारी सौंपना और दो अन्य को राज्यसभा के लिए दोबारा नामांकित न करना शामिल है।

राजनीतिक गलियारों में हलचल तब और बढ़ गई जब भाजपा ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए पांच राज्यों से 11 नेताओं को नामांकित किया, लेकिन इस सूची से दो केंद्रीय मंत्रियों–रवनीत सिंह बिंदू और जॉर्ज कुरियन का नाम गायब रहा। इन दोनों मंत्रियों को राज्यसभा सदस्यता 21 जून को समाप्त हो रही है। पंजाब से कांग्रेस के पूर्व सांसद बिंदू वर्तमान में राज्यस्थान के अनुसर, मंत्रिपरिषद का आकार लोकसभा की कुल सदस्य संख्या का अधिकतर 15 प्रतिशत हो सकता है। सरकार के दो साल पूरे होने और मंत्रियों के सदन के कार्यकाल के समीकरणों को देखते हुए इस सप्ताह मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।



राज्य मंत्री शामिल हैं। गौरतलब है कि मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकालों के दौरान भी सरकार के दो साल पूरे होने के ठीक बाद जुलाई 2016 और जुलाई 2021 में मंत्रिपरिषद का फेरबदल और विस्तार किया गया था। इस बार भी वैसा ही पैटर्न दिखने की उम्मीद जताई जा रही है। आगामी 18 जून को 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों के साथ महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा में उपचुनाव होने हैं, जिसके लिए नामांकन की अंतिम तारीख 8 जून है। संवैधानिक नियमों के अनुसार, मंत्रिपरिषद का आकार लोकसभा की कुल सदस्य संख्या का अधिकतर 15 प्रतिशत हो सकता है। सरकार के दो साल पूरे होने और मंत्रियों के सदन के कार्यकाल के समीकरणों को देखते हुए इस सप्ताह मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

सीएम विजय महिलाओं-बच्चों की सुरक्षा के लिए सिंगाप्पन फोर्स का आज करेंगे शुभारंभ

–आईपीएस अफसर भवानीश्वरी को सिंगाप्पन विशेष कार्य बल का आईजी बनाया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम सी जेसेफ विजय सिंगाप्पन स्पेशल टास्क फोर्स का शुभारंभ करेंगे। यह फोर्स राज्यभर में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए स्थापित एक समर्पित पुलिस इकाई है। उद्घाटन समारोह मालवार शाम चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू राजारथिभम स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा। सीएम पदभार संभालने के बाद विजय द्वारा की गई प्रमुख घोषणाओं में से एक विशेष बल का गठन था। अधिकारियों ने बताया कि यह पहल केंद्रित पुलिसिंग, अतिरिक्तस्तर और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के जरिए महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के भवानीश्वरी को सिंगाप्पन विशेष कार्य बल का पहला आईजी नियुक्त किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नवगठित इकाई में



एक एसपी, दो उप पुलिस अधीक्षक, चार निरीक्षक और कई अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों सहित 30 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल हैं। फोर्स को एक विशिष्ट पहचान देने के लिए सरकार ने एक विशेष वर्दी पेश की है। कार्य बल से जुड़ी महिला पुलिसकर्मी और महिला सब-इंस्पेक्टर नीली कमीज के साथ खाकी पैंट पहनेंगीं। उन्हें काली टोपी और काले जूते भी दिए गए हैं। उम्मीद है कि यह अनूठे वर्दी राज्यभर में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय बल को आसानी से पहचानने योग्य बनाएंगीं।

सिंगाप्पन विशेष कार्य बल का शुभारंभ मूल रूप

से 29 मई को तय था और मुख्यमंत्री द्वारा उसी दिन इसका उद्घाटन किया जाना था। हालांकि, प्रशासनिक कारणों से अंतिम समय में कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। अब औपचारिक उद्घाटन मंगलवार को तय है, उम्मीद है कि यह विशेष बल इसके तुरंत बाद परिचालन शुरू कर देगा। चेन्नई में शुभारंभ समारोह के बाद सिंगाप्पन कमियों को तमिलनाडु भर में तैनात किया जाएगा और वे सभी जिलों में कार्य करना शुरू करेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों से निपटने के लिए अधिक सशक्त और समन्वित कार्रवाई हेतु इस कार्य बल का गठन किया गया है।

सिंगाप्पन विशेष कार्य बल का शुभारंभ विजय सरकार की प्रमुख कानून-व्यवस्था पहलों में से एक माना जा रहा है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा और कल्याण पर विशेष रूप से केंद्रित एक समर्पित इकाई का गठन करके, सरकार को उम्मीद है कि इससे पुलिसिंग में जनता का विश्वास बढ़ेगा और तमिलनाडु में एक सुरक्षित वातावरण बनेगा।

इजरायल में स्थापित होगी छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा

मुंबई (एजेंसी)। इजरायल के मुंबई स्थित वाणिज्य दूतावास ने मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की एक भव्य प्रतिमा इजरायल में स्थापित करने की ऐतिहासिक योजना की घोषणा की है। इस विशेष परियोजना का ऐलान शिवराज्याधिकार दिन के गौरवशाली अवसर पर किया गया है। इस संघर्ष के वाणिज्य दूत यानिब रेवाच ने इजरायल में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र लिखकर राज्य सरकार से सहयोग की अपील की थी, जिसे मुख्यमंत्री ने तुरंत और सहर्ष स्वीकार कर लिया है।

वाणिज्य दूत यानिब रेवाच ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत के अनुरूप एक शानदार स्मारक

बनाने के लिए उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से जो मदद मांगी थी, उस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल अपनी सहमति दे दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इजरायल की धरती पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का निर्माण भारत और इजरायल के बीच के बेहद घनिष्ठ और मजबूत होते संबंधों का एक जीवंत प्रतीक बनेगा। यह स्मारक इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि महाराष्ट्र और भारतीय यहूदी समुदाय के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंध रहे हैं, और इस समुदाय के वंशज आज इजरायली समाज के विकास में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अमलीजामा पहनाने के लिए इजरायली दूतावास ने महाराष्ट्र सरकार से ऐतिहासिक संदर्भ, कलात्मक विमर्श, प्रतिमा

के डिजाइन संबंधी तकनीकी सलाह और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का औपचारिक अनुरोध किया है। इजरायली वाणिज्य दूत ने उम्मीद जताई कि इस अनूठी परियोजना को भविष्य में एक बड़े जन-आंदोलन का रूप दिया जा सकता है, जो दोनों देशों के नागरिकों के बीच मित्रता को और प्रगाढ़ करेगा तथा साहस, कुशल नेतृत्व व पारस्परिक सम्मान जैसे साझा मूल्यों का एक स्थायी प्रतीक बनेगा।

मराठा साम्राज्य के गौरवशाली इतिहास की दिखेगी झलक

मुंबई में अपनी नियुक्ति के बाद से ही रेवाच ने मराठा साम्राज्य के गौरवशाली इतिहास का

हफ्ते की साधारण बात है, और इतनी ज्यादा साधारण है कि ये इसे अब 'उल्लेखनीय' भी नहीं मानते हैं। चेहरे के भाव और देह की हताशा और निराशा से भरी है। अखिलेश ने चंपत राय के बयान पर असंतोष व्यक्त करते हुए इसी पोस्ट में कहा, “ ट्रस्ट के सभी सदस्यों को एक साथ बैठकर स्पष्टीकरण दिया जाए और आंकड़ों के मिलान के लिए सीसीटीवी के साथ का सहारा लिया जाए। जैसे ही सारे ट्रस्टी एक साथ बैठेंगे तो सच बाहर आ जाएगा क्योंकि उनमें हर कोई एक जैसा नहीं है। इस हेराफेरी की शका के केंद्र में जब कोई एक व्यक्ति विशेष है ही नहीं तो फिर किसी एक के स्पष्टीकरण का क्या महत्व है।

उन्होंने कहा कि ये भी स्पष्ट किया जाए कि 40 सेकंड का स्पष्टीकरण आने में इतने घंटे क्यों लगे और स्पष्टीकरण के नाम पर एक मिनट बोलना भी भारी क्यों पड़ रहा है। यूपी सरकार की चुप्पी की तरह ये सफाई भी संदिग्ध है। ऐसा लग रहा है जैसे स्पष्टीकरण के नाम पर शाब्दिक औपचारिकता निभाई जा रही है। संपूर्ण विश्व का सनातन समाज, इस बेहद कमजोर स्पष्टीकरण से और भी ज्यादा शक्ति और आहत हुआ है।

ममता और केजरीवाल के चलते बर्बाद हुआ इंडिया गठबंधन

संजय झा ने नीतीश के यूटर्न की स्टोरी से उठाया पर्दा



गठबंधन का संयोजक किसी दलित चेहरे को होना चाहिए और इसके लिए उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष महिष्कार्जुन खड्गे का नाम आगे बढ़ा दिया। इस अप्रत्याशित कदम के चलते कांग्रेस तुरंत बैकफुट पर आ गई और पूरी योजना खटाई में पड़ गई।

जेड्यू नेता ने स्पष्ट किया कि नीतीश कुमार

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले के न्यू हेवन गांव में रविवार को एक नई सुरक्षा चौकी के निर्माण को लेकर स्थानीय प्रदर्शनकारियों और असम राइफल्स के जवानों के बीच तीखी झड़प हो गई। इस हिंसक टकराव में कम से कम चार नागरिक घायल हो गए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक यह घटना शाम करीब 4 बजे की है, जब ग्रामीणों ने न्यू हेवन इलाके में असम राइफल्स द्वारा नई चौकी बनाए जाने का विरोध करना शुरू कर दिया। स्थानीय निवासियों और ग्रामीणों का आरोप है कि लंबुई गांव में तैनात असम राइफल्स के लगभग 40 जवानों ने ग्राम अधिकारियों से बिना किसी पूर्व सलाह या सहमति के इस नई चौकी का निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। इसके विरोध में महिलाओं और छात्र संगठनों सहित भारी संख्या में स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए और निर्माण कार्य को तुरंत रोकने की मांग करने लगे। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ने की कोशिश की। भीड़ को नियंत्रित करने के अभियान के दौरान कथित तौर पर लाठीचार्ज किया गया और हवाई फायरिंग की गई, जिससे एक छात्र संगठन के अध्यक्ष सहित चार लोग जखमी हो गए। ग्रामीणों का यह भी दावा है कि सुरक्षा बलों ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट की अनुपस्थिति में यह कार्रवाई की और महिला प्रदर्शनकारियों के खिलाफ भी बल प्रयोग किया। इस घटना के बाद से स्थानीय समुदाय में भारी आक्रोश है। प्रदर्शनकारियों ने असम राइफल्स की इस नई चौकी को तत्काल प्रभाव से हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि इस एक्टरफा कार्रवाई से स्थानीय जनता और सुरक्षा बलों के बीच का आपसी विश्वास टूट गया है, जिससे लोग अपनी जान और संपत्ति की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। जिला पुलिस के अनुसार, फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है लेकिन इलाके में तनाव बरकरार है। गौरतलब है कि पिछले कुछ हफ्तों में हुई हिंसक घटनाओं, विशेषकर मई महीने में हुए दोहरे हमलों के बाद से पूरे क्षेत्र में पहले से ही सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ी हुई हैं।

लद्दाख के कठिन पहाड़ी इलाके से पांच गंभीर मरीजों को वायुसेना ने चंडीगढ़ पहुंचाया

-रेस्क्यू किए गए लोगों में भारतीय सेना के तीन जवान भी शामिल



लद्दाख (एजेंसी)। वायुसेना ने मेडिकल इमरजेंसी अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इस दौरान लद्दाख के कठिन पहाड़ी इलाके से पांच गंभीर रूप से बीमार मरीजों को चंडीगढ़ पहुंचाया। रेस्क्यू किए गए व्यक्तियों में भारतीय सेना के तीन जवान भी शामिल हैं। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और प्रतिकूल मौसम के बावजूद वायुसेना ने कार्रवाई करते हुए मरीजों को सुरक्षित निकाला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय वायुसेना ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि लद्दाख से एयरलिफ्ट किए गए पांच मरीजों में भारतीय सेना के तीन जवान, उनका एक आश्रित सदस्य, और लद्दाख विमानों के चालक बल ने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया और मरीजों को समय पर चंडीगढ़ पहुंचाया। बता दें 2026 में केवल लद्दाख सेक्टर में ही भारतीय वायुसेना के कैजुअल्टी इवैक्चुएशन अभियानों के जरिए अब तक 143 लोगों की जान बचाई जा चुकी है। यह आंकड़ा दुर्गम और संवेदनशील क्षेत्रों में



गहन अध्ययन किया है। उन्होंने शिवाजी महाराज की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे केवल एक साम्राज्य के संस्थापक नहीं थे, बल्कि एक असाधारण और दूरदर्शी नेता थे, जिनकी सुशासन, अदय्य साहस, धार्मिक सहिष्णुता, आधुनिक नौसेना शक्ति और लोक-कल्याण की नीतियां आज भी पूरी दुनिया की पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के बाद से ही दोनों देशों के लोगों को सांस्कृतिक रूप से करीब लाने के प्रयास तेज हुए हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा, कृषि, जल प्रबंधन और तकनीक में पहले से ही मजबूत सहयोग है, लेकिन इस पहल से सांस्कृतिक संबंधों को एक नई गति मिलेगी और वैश्विक स्तर पर भारत की समृद्ध विरासत का प्रदर्शन होगा।

आईएफसी का भारत में हरित क्रांति को बल, कठिन कार्बन कटौती क्षेत्रों में बढ़ेगा निवेश

रसायन और भारी परिवहन नीं दायरे में; नीतिगत समर्थन और लागत में कमी से प्रेरित

नई दिल्ली ।

अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) भारत में अपनी हरित निवेश रणनीति का विस्तार कर रहा है, खासकर उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जहां कार्बन उत्सर्जन कम करना चुनौतीपूर्ण रहा है। पिछले वित्त वर्ष में भारत में 5.4 अरब डॉलर का निवेश करने के बाद, आईएफसी अब हरित हाइड्रोजन, रसायन और भारी परिवहन जैसे क्षेत्रों में अपना ध्यान केंद्रित करेगा, जिसका खुलासा क्षेत्रीय प्रभाग के निदेशक के अनुसार, हरित हाइड्रोजन में आईएफसी का पहला निवेश हाइजेनको में हुआ है। उन्होंने बताया कि भारत का हरित हाइड्रोजन क्षेत्र एक निर्णायक मोड़ पर है, जहां नीतिगत महत्वाकांक्षाएं, बेहतर अर्थव्यवस्था और मजबूत निजी क्षेत्र का उदय हो रहा है। आईएफसी का यह कदम विश्व बैंक समूह की व्यापक पहल का हिस्सा है, जो कई वर्षों से नीतिगत ढांचे और वित्तपोषण का समर्थन कर रहा है। यह बदलाव रसायनों और भारी परिवहन जैसे क्षेत्रों में वाणिज्यिक स्तर पर मांग बढ़ने के कारण हुआ है। भारत का नीतिगत माहौल राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के साथ परिपक्व हो चुका है, जो उत्पादन और इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण के लिए स्पष्ट प्रोत्साहन प्रदान करता है। इसके अलावा, भारत में नवीकरणीय ऊर्जा की लागत विश्व में सबसे कम है और इलेक्ट्रोलाइजर की लागत भी घट रही है, जिससे हरित प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन सुधर रहा है। उन्होंने कहा कि हरित हाइड्रोजन सौर ऊर्जा की तरह ही तेजी से आगे बढ़ रहा है।

वित्त वर्ष 27 में 7.7 से 6 फीसदी तक आ सकती है भारत की ग्ोथ रेट

आगामी वर्ष में महंगाई और लागत बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली ।

भारत की अर्थव्यवस्था ने पिछले वित्त वर्ष में मजबूत प्रदर्शन किया, लेकिन आगामी वर्ष में इसकी विकास दर पर बाहरी चुनौतियों का साया मंडरा रहा है। एक ब्लोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को प्रभावित कर सकती हैं। इससे महंगाई और कंपनियों की लागत बढ़ने का अंदेश है। रिपोर्ट बताती है कि इन संभावित मुश्किलों को देखते हुए वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान घटाया गया है। हालांकि, निवेश और खपत अब भी अर्थव्यवस्था को मजबूत सहारा दे रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) में जीडीपी 7.8 फीसदी की दर से बढ़ी, जिसमें निवेश का बड़ा योगदान रहा, भले ही उपभोक्ता खर्च कुछ धीमा रहा। पूरे वित्त वर्ष 2026 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 फीसदी दर्ज की गई, जो पिछले साल 7.1 फीसदी से अधिक थी। उद्योग और सेवा क्षेत्रों ने इसमें सर्वाधिक योगदान दिया, खासकर मैन्युफैक्चरिंग, व्यापार और होटल सेवाओं में उछाल देखा गया। कृषि क्षेत्र की वृद्धि 3 फीसदी पर कमजोर रही। इसके बावजूद, मजबूत निवेश और खपत ने अर्थव्यवस्था को साल भर गतिशील बनाए रखा।

रुपया 17 पैसे टूटकर 95.35 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया शुक्रवार को 56 पैसे मजबूत होकर 95.18 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी बाजार में डॉलर की मजबूती से रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 17 पैसे टूटकर 95.35 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। ईरान के इजराइल की ओर कई मिसाइलें दागने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है जिससे क्षेत्र की स्थिरता एवं युद्धविराम प्रयासों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.35 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे कमजोर है। रुपया शुक्रवार को 56 पैसे मजबूत होकर 95.18 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था, जो लगभग दो महीनों में इसकी सबसे बड़ी एक-दिवसीय बढ़त थी। केंद्रीय बैंक के विदेशी पूंजी प्रवाह को समर्थन देने और विदेशी मुद्रा नकदी मजबूत करने के उपायों की घोषणा के बाद यह बढ़त आई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 95.33 पर रहा।

अमेजन जल्द बनेगा क्रिक कॉमर्स का सरताज

100 शहरों तक विस्तार की योजना

नई दिल्ली ।

अमेजन इंडिया ने देश के तेजी से बढ़ते क्रिक कॉमर्स बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति स्थापित करने का दृढ़ विश्वास जताया है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि प्राइम प्रोग्राम और व्यापक उत्पाद श्रृंखला के दम पर अमेजन जल्द ही इस क्षेत्र में शीर्ष पर होगी।

कंपनी के अ धिकारी ने कहा कि कंपनी त्वरित वाणिज्य को व्यापक ऑनलाइन खुदरा बाजार के भीतर एक गति समीकरण के

रूप में देखती है। उन्होंने जोर दिया कि अमेजन प्रतिस्पर्धी-केंद्रित नहीं बल्कि ग्राहक-केंद्रित है, और भारत में 13 वर्षों में विकसित की गई व्यापक उत्पाद उपलब्धता तथा बड़ी ई-कॉमर्स क्षमता उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

कंपनी का क्रिक कॉमर्स मंच अमेजन नाउ वर्तमान में 12 से अधिक शहरों में संचालित है और इसे 100 से अधिक शहरों तथा 1,000 'माइक्रो-फुलफिलमेंट सेंटर' तक विस्तारित करने की योजना है। कंपनी का कारोबार मासिक आधार पर 25 प्रतिशत



की वृद्धि दर्ज कर रहा है, और प्राइम सदस्य अन्य ग्राहकों की तुलना में तीन गुना अधिक खरीदारी कर रहे हैं।

तेज आपूर्ति और उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव से प्रेरित भारत का क्रिक कॉमर्स बाजार डिजिटल अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से

बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। इस क्षेत्र में अन्य प्रमुख खिलाड़ी भी आक्रामक निवेश कर रहे हैं। अमेजन ने 2030 तक भारत में 35 अरब डॉलर के अतिरिक्त निवेश की घोषणा की है, जो व्यापार विस्तार, कृत्रिम मेथा और रोजगार सृजन पर केंद्रित होगा।

इजराइल-ईरान में फिर तनाव, तेल बाजार में 3 फीसदी का उछल

- इजराइल-ईरान सैन्य कार्रवाई से नाजुक युद्धविराम खतरे में, बेंट क्रूड 96 डॉलर पार

नई दिल्ली ।

मध्य पूर्व में इजराइल और ईरान के बीच बढ़ती सैन्य टकराव ने अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में हलचल मचा दी है। रविवार देर रात बाजार खुलते ही कच्चे तेल की कीमतों में 3 फीसदी का उछल देखा गया, जो क्षेत्र के नाजुक युद्धविराम के टूटने की आशंका को दर्शाता है। यह ताजा संघर्ष वैश्विक निवेशकों और तेल कारोबारियों की चिंता बढ़ा रहा है। ईरान ने रविवार को इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलें दाकवर अप्रैल

में लागू युद्धविराम को तोड़ दिया। यह कार्रवाई इजराइल द्वारा लेबनान की राजधानी बेरूत में हिज्बुल्लाह ठिकानों पर किए गए हवाई हमले के कुछ समय बाद हुई। इजराइल का दावा है कि उसने ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाया था। इन ताजा सैन्य झड़पों ने मध्य पूर्व में बड़े संघर्ष की आशंका को फिर से बढ़ा दिया है, जिससे वैश्विक निवेशक चिंतित हैं। इस बढ़ते तनाव का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार पर पड़ा है। रविवार देर रात बाजार खुलते ही कच्चे तेल की कीमतों



में 3 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई।

अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेट क्रूड 96 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट

(डब्ल्यूटीआई) भी 93 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। जानकारों का कहना है कि आपूर्ति बाधित होने से ईंधन की कीमतें और बढ़ेंगी, जिससे दुनिया भर में महंगाई चरम पर पहुंच सकती है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 719 अंक, निफ्टी 243 अंक गिरा

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट अमेरिका, इजरालय और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 719.08 अंकों की गिरावट के साथ ही

73,524.26 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 243.70 अंक नीचे आकर 23,123 पर पहुंच गया। इसके अलावा व्यापक बाजार में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.40 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.92 फीसदी की गिरावट रही। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑटो में 2 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई जबकि निफ्टी मीडिया, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी आईटी,

निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी कंप्यूटर इयूरेबल्स में भी एक फीसदी गिरावट रही।

निफ्टी के केवल 9 शेयरों में बढ़त दर्ज की गई, जबकि अन्य सभी शेयर गिरावट पर कारोबार करते दिखे।

मैक्स हेल्थ, पावरग्रिड, भारती एयरटेल, बीईएल, नेस्ले इंडिया और टेक महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गयी जबकि विप्रो , जियो फाइनंस, हिंडाल्को और श्री राम फाइनंस के शेयरों में गिरावट आई।बाजार

जानकारों के अनुसार अमेरिकी और ईरान के बीच शांति समझौते पर संशय से भी बाजार में गिरावट आई है।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। सेंसेक्स 700 अंक से अधिक लुढ़क कर 73,500 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी भी 23,150 के करीब गिरा। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 724.51 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 73,518.83 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

एफपीआई को कर छूट, वैश्विक बॉन्ड सूचकांक में भारत की दावेदारी मजबूत

सरकार का फैसला ब्लूमबर्ग ग्लोबल एपीगेट इंडेक्स में सॉवरिन बॉन्ड के शामिल होने की संभावना बढ़ाएगा

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) से होने वाले ब्याज और पूंजीगत लाभ पर आयकर से छूट देकर वैश्विक बॉन्ड बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस निर्णय से भारतीय सॉवरिन बॉन्ड के ब्लूमबर्ग ग्लोबल एपीगेट इंडेक्स में शामिल होने की सीमित न रहकर वैश्विक संस्थागत निवेशकों को आकर्षित करना आवश्यक है। ये निवेशक लंबे समय के लिए निवेश करते हैं और अधिक जोखिम उठाने की क्षमता के साथ बड़ी मात्रा में स्थिर पूंजी उपलब्ध कराते हैं। पहले, एफपीआई की ब्याज और पूंजीगत प्राप्तिों से होने वाली कमाई पर कर नियमों की वजह से सरकारी



बॉन्ड पर कर के बाद मिलने वाला रिटर्न कम हो जाता था, जो अन्य उभरते बाजारों की तुलना में भारत को कम प्रतिस्पर्धी बनाता था। इस संरचनात्मक नुकसान को दूर करना जरूरी था। बार्कलेज के विश्लेषकों ने इस कर छूट को महत्वपूर्ण बताया है और कहा है कि इस कदम से भारत की वास्तविक यील्ड में सुधार होगा। बार्कलेज ने कहा कि सबसे अहम बात यह है कि इससे बॉन्ड सूचकांक में शामिल होने में आ रही संरचनात्मक बाधा भी दूर होती

है। विश्लेषकों का मानना है कि पूर्ण पहुंच मार्ग (एफएआर) के विस्तार और निवेश से जुड़ी पाबंदियों में ढील को सूचकांक प्रदाता सकारात्मक रूप से देख सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस कर सुधार का मुख्य मकसद भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी निवेश के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी और निवेशक-अनुकूल माहौल देना, सॉवरिन बॉन्ड बाजार को मजबूत करना और वैश्विक सूचकांक में भारत की दावेदारी को मजबूती प्रदान करना है।

पेट्रोल से 20 रुपए सस्ता नया ई85 पयूल

नई दिल्ली ।

बढ़ती ईंधन कीमतों और कच्चे तेल पर निर्भरता घटाने के लिए केंद्र सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दिल्ली



में आधिकारिक तौर पर ई85 पयूल लॉन्च किया है, जो सामान्य पेट्रोल से लगभग 20 रुपए प्रति लीटर सस्ता है। दिल्ली में इसे मात्र 82.12 रुपए प्रति लीटर की किफायती कीमत पर पेश किया गया है, जबकि सामान्य पेट्रोल 100 रुपए के पार है। ई85 एक हाई इथेनॉल ब्लेंडेड पयूल है, जिसमें 80-85 फीसदी एथेनॉल होता है। इसे गन्ने, मक्के और कृषि अवशेषों से तैयार किया जाता है, जो इसे स्वदेशी और पर्यावरण के अनुकूल बनाता है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य भारत की विदेशी कच्चे तेल पर निर्भरता कम करना और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना है। हालांकि, यह समझना महत्वपूर्ण है कि ई85 पयूल आपकी मौजूदा साधारण पेट्रोल कार या बाइक के लिए नहीं है। इसे विशेष रूप से फ्लेक्स-पयूल वाहनों के लिए डिजाइन किया गया है, जो इस नए ईंधन के साथ संगत होते हैं। सरकार की यह पहल देश की ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण दोनों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मई में वाहन बिक्री ने तोड़े रिकॉर्ड, ईंधन कीमतों के बावजूद 9.55 फीसदी की वृद्धि

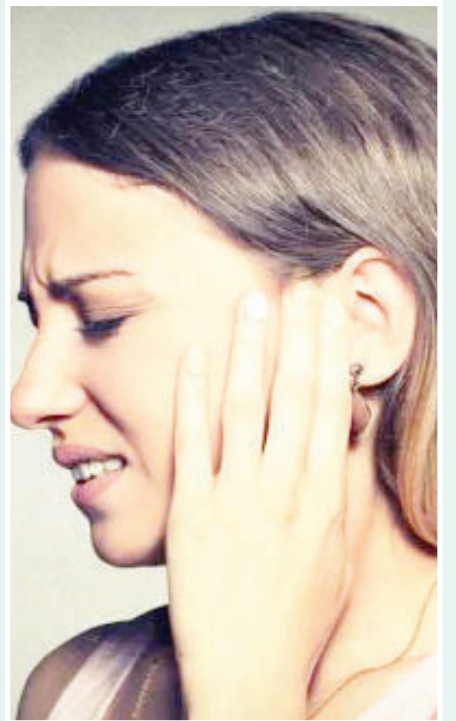
यात्री वाहन, दोपहिया, तिपहिया और ट्रैक्टर श्रेणियों में अब तक की सर्वाधिक बिक्री



नई दिल्ली ।

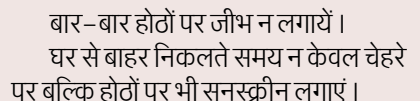
देश में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री मई 2026 में रिकॉर्ड 25.31 लाख इकाई पर पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.55 फीसदी की वृद्धि दर्ज करती है। ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फांडा) ने सोमवार को बताया कि ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद यह उछल आया, जो भारतीय ऑटो बाजार की मजबूत मांग को दर्शाता है। फांडा के आंकड़ों के अनुसार, मई में यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री 23.25 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 18,44,947 इकाई दर्ज की गई। तिपहिया और ट्रैक्टर श्रेणियां ने भी अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज करते हुए ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। उपभोक्ताओं की बढ़ती रुचि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की

ओर भी स्पष्ट रूप से दिख रही है, जिसका हिस्सेदारी दोपहिया सेगमेंट में बढ़कर 9.25 फीसदी हो गई है, जो पिछले वर्ष 6.11 फीसदी थी। फांडा ने बताया कि अत्यधिक गर्मी और ईंधन की ऊंची कीमतों जैसी चुनौतियों के बावजूद भारतीय मोटर वाहन खुदरा बाजार में वृद्धि जारी रही। उन्होंने कहा कि तिपहिया, यात्री वाहन, ट्रैक्टर और कूलर पंजीकरण में मई 2026 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखा गया। जून 2026 के लिए फांडा ने संतुलित लेकिन सतर्क रूप से आशावादी दृष्टिकोण व्यक्त किया है। मानसून की प्रगति और ग्रामीण नकदी प्रवाह को मांग का मुख्य कारक माना गया है, हालांकि अल्पकालिक लागत दबाव बने रहने की आशंका है। डीलरों में से आधे से अधिक ने वृद्धि में की उम्मीद जताई है, जबकि 39.90 फीसदी ने बाजार को स्थिर रहने का अनुमान लगाया है।



बालों को हटाने के लिए आप घर पर ही एक हेयर रिमूवल वैक्स भी तैयार कर सकते हैं। इसको बनाने के लिए आप शक्कर, नींबू का रस और पानी को मिलाकर गर्म करें और एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे कान के बालों पर लगाएं और एक साफ कपड़े से इसको हटा लें।

1 चम्मच शहद में 1 चम्मच चीनी मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे अपने होठों पर हल्के हाथों से रगड़ें और कुछ मिनट बाद धो लें। यह मृत कोशिकाओं को हटाता है और होठों को मुलायम बनाता है। इसके साथ ही यह आपके होठों को प्राकृतिक रूप से गुलाबी बनाने में भी मदद करता है।



अपने बच्चे की डाइट में सीजनल सब्जियां और हरी सब्जियां जरूर शामिल करें. अगर वो इनको देखकर मुंह बनाते हैं तो आप क्रिएटिव तरीके से उनकी डाइट में हरी सब्जियों को शामिल करें.



भारतीय टीम की सबसे बड़ी टेस्ट जीत, अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हराया

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन ही अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हरा दिया। इस मैच में अफगानिस्तान की टीम फॉलोऑन खेलते हुए अपनी दूसरी पारी में भी केवल 112 रनों पर ही आउट हो गयी। वहीं वह पहली पारी में 152 रनों पर आउट हो गयी थी, भारत की ओर से सबसे अधिक 6 विकेट मानव सुधार ने लिए। फलोऑन खेलने उतरी अफगानिस्तान की टीम दूसरी पारी में भी केवल 112 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम ने पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की थी। ऐसे में उसे पहली पारी के आधार पर 412 रनों की बढ़त मिली थी। इसके बाद भारतीय टीम ने अफगान टीम को फॉलोऑन के लिए बुलाया। अफगान टीम दूसरी पारी में भी टिक नहीं पायी और केवल 112 रन ही बना पायी। सलामी बल्लेबाज

सिदीकुल्लाह अटल ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाये। वहीं भारतीय टीम की ओर से सुंदर ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। कुलदीप यादव ने 3 विकेट, मोहम्मद सिराज ने 1 विकेट और मानव सुधार ने 1 विकेट लिया। इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की थी। भारत की ओर से अपना पहला टेस्ट खेल रहे स्पिनर मानव सुधार ने इस मैच में काफी अच्छी गेंदबाजी कर कुल 7 विकेट लिए। सुधार ने पहली पारी में 22 ओवर में 33 रन देकर छह विकेट लिए जबकि दूसरी पारी में एक विकेट लिया। वहीं वाशिंगटन सुंदर ने अफगानिस्तान की दूसरी पारी में चार विकेट जबकि कुलदीप यादव ने तीन विकेट लिए। इस मैच में जीत के साथ ही भारतीय टीम ने पारी और रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत 300 रनों से हासिल की है। यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में टीम इंडिया की

सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी और 272 रनों से जीत हासिल की थी। इस मैच में भारतीय टीम पूरी तरह से हावी रही। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने शतक लगाये जबकि साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने अर्धशतक लगाया। शुभमन ने 15 चौके और 1 छक्के की मदद से 126 रनों की पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 11 चौके लगाकर 100 रन बनाए। साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने 81-81 रन जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 52 रन बनये। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी अफगान टीम सुधार की फिरकी में उलझ गयी और पहली पारी में 152 रन ही बना पायी। केवल रहमत शाह ही 60 रनों की पारी खेली जबकि बाकी सभी बल्लेबाज विफल रहे। सुधार ने सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए जबकि प्रसिद्ध



कृष्णा ने 3 जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

मुंबई इंडियंस को छोड़ सकते हैं सूर्यकुमार , केकेआर या सीएसके जाने की संभावना

मुम्बई (एजेंसी)। बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अब आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस को छोड़ सकते हैं। सूर्य के बाहर किये जाने की अटकलों को इस लिए भी बल मिल रहा है क्योंकि उन्होंने सोशल मीडिया में मुंबई इंडियंस को अनफॉलो कर दिया है। इतना ही नहीं, उनके अकाउंट से मुंबई इंडियंस की जर्सी वाली तस्वीरें भी हट गयी हैं। इससे ये साफ होता है कि सूर्य अब मुम्बई इंडियंस से नहीं खेलेंगे।



सूर्यकुमार को हाल ही में इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया और उनसे कप्तानी से भी हटा दिया गया। गौरतलब है कि इस आईपीएल सत्र में भी मुंबई इंडियंस के लिए भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उन्हें पिछली बार क्या नीलामी में मुंबई इंडियंस ने 16.25 करोड़ रुपये में बरकरार रखा था जिस पर इस बार भी बरकरार रखा गया था। वह साल 2018 से ही लगातार मुंबई इंडियंस का अहम हिस्सा रहे हैं पर जिस प्रकार से उनका प्रदर्शन खराब हुआ है। उससे अब लगता है कि मुम्बई भी उन्हें आगे बनावे नहीं रखना चाहती।

ऐसे में अब कई रिपोट्स ये दावा कर रही

हैं कि अगर सूर्यकुमार मुंबई से बाहर जाते हैं तो वह अपनी पुरानी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) जा सकते हैं। केकेआर को भी अपने लिए एक बेहतर कप्तान और शीर्ष क्रम में एक अनुभवी भारतीय बल्लेबाज की जरूरत है। कोलकाता के अलावा सूर्या चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) भी जा सकते हैं। इसका कारण है कि सीएसके भी एक बेहतर बल्लेबाज की तलाश में है।

मुंबई के लिए उन्होंने अब तक कुल 127 मैचों में 4020 रन बनाए हैं, जिसमें दो शानदार शतक भी शामिल हैं। वहीं केकेआर के लिए अपने पहले कार्यकाल में सूर्य ने 60 मैचों में 684 रन बनाए थे, जिसमें चैंपियंस लीग टी20 के 127 रन भी शामिल हैं।

महंगी कीमतों से फीफा विश्व कप 2026 के प्रति प्रशंसकों का आकर्षण घटा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रूप से शुरू होने जा रहे फीफा विश्वकप फुटबॉल को लेकर प्रशंसकों में वैसा उत्साह नहीं दिखता जो आम तौर पर देखा जाता है। इस कारण विश्वकप के महंगे टिकट, तीन देशों के बीच यात्रा का अत्यधिक खर्च और अमेरिका में प्रवेश संबंधी दिक्कत हैं। इससे प्रशंसक घर से ही मैच देखना चाहते हैं।

इंग्लैंड के एक ऐसे ही प्रशंसका का कहना है कि उससे पिछले चार विश्व कप देखें पर इस बार वह यूरोप में ही रहकर टूर्नामेंट के कुछ मुकाबलों का आनंद पुर्तगाल के समुद्र तट पर लगी स्क्रीन में उड़ाएगा। वहीं अर्जेंटीना के प्रशंसक ने कहा कि वह इस बार केवल दो मैच देखकर ही स्वदेश लौट जाएगा। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि इस बार पहले की तादद में कम प्रशंसक विश्वकप में दिखेंगे। विश्व कप के दौरान अपनी टीम का समर्थन करने के लिए लंबी छुट्टियां लेकर विदेश यात्रा करने वाले प्रशंसक आमतौर पर धानी वर्ग से आते हैं पर पिछले टूर्नामेंटों में सीमित साधनों वाले प्रशंसक भी वर्षों तक बचत कर इस विश्वकप में पहुंच जाते थे पर इस



बा कीमतें अधिक होने से उनकी कमी रहेगी।

पिछली बार, ग्रुप चरण के सबसे निचले श्रेणी के टिकट 69 डॉलर में उपलब्ध थे। वहीं इस बार, फीफा उन्हीं टिकटों को 265 डॉलर तक में बेच रहा है, जो चार गुना से भी अधिक की कीमत है। इसके अलावा, रूस 2018 और कतर 2022 विश्व कप में मेजबान शहरों के बीच निःशुल्क परिवहन सुविधा दी गई थी, जबकि अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में फैले 16 स्टेडियमों के बीच यात्रा करना कहीं अधिक महंगा साबित रहेगा। पहले, फीफा के

आधिकारिक पुनर्विक्रय रीसेल मंच पर टिकट मूल कीमत से अधिक पर नहीं बेचे जा सकते थे पर इस बार, संस्था ने प्रशंसकों को अपनी इच्छानुसार ऊंची कीमत पर टिकट बेचने की अनुमति दे दी है और हर लेनेदन पर 30 फीसदी शुल्क भी वसूल रही है। वहीं फीफा का कहना है किटिकटों की अधिक कीमतों के बाद भी मांग पर विशेष असर नहीं पड़ा है। प्रशंसकों का मानन है कि इस बार कीमतें काफी अधिक हैं। उनके मुताबिक, अमेरिका अब तक का सबसे खराब मेजबान साबित होगा।

वैभव को अपने अनुसार खेलने दें, उसपर बेवजह दबाव न बनायें : गांगुली

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि 15 साल के वैभव सूर्यवंशी पर अभी से दबाव डालना सही नहीं है । साथ ही कहा कि वह अभी बच्चे है और उसे अपने अनुसार खेलने दें । आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद वैभव को आयरलैंड और इंग्लैंड के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है । इसी को देखते हुए गांगुली ने कहा है कि वैभव पर किसी तरह का बेवजह का दबाव न बनाये और उसे अपने स्वाभिक अंदाज में खेलने दें । गांगुली ने से बातचीत में प्रशंसकों और क्रिकेट विशेषज्ञों से विशेषतौर



पर अपील की कि वे वैभव पर अनावश्यक अपेक्षाओं का बोझ न डालें । गांगुली ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें उसे उसके हाल पर छोड़ देना चाहिए । वह अभी केवल 15 साल का बच्चा है और मुझे नहीं लगता कि वह दबाव के बारे में बहुत अधिक सोचना होगा । आईपीएल में हमने देखा कि वह निडर होकर खेलता है हालांकि भारतीय टीम के लिए खेलना एक बिल्कुल अलग अनुभव है, और वह उन विदेशी दौरों पर जा रहा है जहां की उसे काफी हमारे प्रति से काफी अलग होगी ।' गांगुली का मानना है कि वैभव में अपार प्रतिभा है पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत में उनसे तुरंत चमकारी प्रदर्शन की उम्मीद नहीं करनी चाहिये । उन्होंने जोर देकर कहा, 'उसे सब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने पैर जमाने का अवसर दें । भारत में कई अन्य खिलाड़ियों की तरह उसके पास भी जबरदस्त प्रतिभा है, इसलिए उम्मीदों का बोझ डालकर उसे परेशान न करें ।' वैभव के लिए असली परीक्षा अब शुरू होगी । भारतीय टीम को 26 और 28 जून को आयरलैंड में दो टी20 मैच खेलने हैं, जिसके तुरंत बाद 1 जुलाई से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज होनी है । आईपीएल की सपाट और बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों पर छक्के उड़ाना अलग बात है पर इंग्लैंड में यूनाइटेड तेज और उछल भरी पिचों पर अपने को साबित करना बिल्कुल अलग चुनौती होगी ।

ऑस्ट्रेलिया ओपन:सिंधू की निगाह खिताब पर, पुरुष वर्ग में आयुष करेंगे अगुवाई

सिडनी (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार से यहां शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 बेडमिंटन टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म करने की कोशिश करेंगी, जबकि उमरते सितारे आयुष शेट्टी पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने की कवायद में हैं।

पूर्व विश्व चैंपियन का इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जनवरी में मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना रहा है। सिंधू को यहां अनुकूल ड्रॉ मिला है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी का पहला मैच फेरु की डेनिस लूसिया कैस्टिलो से होगा। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद उनका सामना हमवतन इशारानी बरुआ और चीन की हान कियान शी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। सिंधू पिछले सप्ताह इंडोनेशिया ओपन में राउंड-ऑफ-16 में पहुंची थी जहां उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से-यंग से हार का सामना करना पड़ा था।

अगर सिंधू सेमीफाइनल तक पहुंचती है तो वहां उनका सामना जापान की विश्व में तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से हो सकता है। फाइनल में उनका मुकाबला थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त पोन्गनावी चोचुबोला से हो सकता है। महिला एकल ड्रॉ में ही तन्वी शर्मा का सामना चीनी ताइपे की पांचवीं वरीयता प्राप्त चियू पिन-चियान से, जबकि मालविका बंसोड़ का मुकाबला मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा।

अनमोल खरब को जापान की पूर्व विश्व चैंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। आकर्षी करयप का मुकाबला मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से, जबकि तान्या हेमंत का अमेरिका की इशिका जायसवाल से होगा। पुरुष एकल में विश्व के 20वें नंबर के खिलाड़ी और यहां छठी वरीयता प्राप्त आयुष शेट्टी अपना पहला मैच कालीफाबुर के खिलाफ खेलेंगे। एचएस प्रणय का मुकाबला इंडोनेशिया के मोहम्मद जाकी उबा से होगा, जबकि किरण जॉर्ज पहले दौर में मलेशिया के जस्टिन होह का सामना करेंगे।



में चीनी ताइपे के ली फांग-चिह और ली फांग-जेन की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अच्युतादित्य राव डेड्डुवारपू और पोचना अर्जुन रेड्डी का मुकाबला चीन के हुआंग डि और लियू

यांग से होगा। महिला युगल के मुख्य ड्रॉ में कोई भी भारतीय जोड़ी भाग नहीं ले रही है। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीशा कास्टो की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी हांगकांग के चान चिन चक और एनजी त्स यों के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगी।

ज्वेरेव ने फेंच ओपन टेनिस खिताब जीता



पेरिस (एजेंसी)। जर्मन के टेनिस स्टार अलेक्जेंडर ज्वेरेव फेंच ओपन टेनिस 2026 का पुरुष एकल खिताब जीत लिया है। ज्वेरेव ने खिताबी मुकाबले में कोबोली को 4 घंटे 16 मिनट तक चला, जिसमें ज्वेरेव ने कोबोली को 6-1, 4-6, 6-4, 6-7 (5-7), 6-1 से जीत दर्ज की। इसी के साथ ही जर्मन खिलाड़ी ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब भी जीत लिया। पेरिस के प्रतिष्ठित रोलॉ गैरौस में खेला गया यह ऐतिहासिक मुकाबला 4 घंटे 16 मिनट तक चला। इस मैच में दूसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव शुरुआत से ही हावी रहे। पहले सेट में अपनी सर्विस और फोरेहैंड का शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मन खिलाड़ी ने 6-1 से जीत दर्ज की। 10वीं वरीयता प्राप्त कोबोली ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए ज्वेरेव को कड़ी टक्कर दी। कोबोली ने हुए दूसरा सेट 6-4 से जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। तीसरे सेट में ज्वेरेव ने एक बार फिर वापसी करते हुए हुए 6-4 से बढ़त बना ली। चौथा सेट बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहा। इसमें दोनों खिलाड़ियों ने

पूरी ताकत लगा दी। ये सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा, जहां कोबोली ने 7-5 से जीत हासिल की और मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक पहुंचा दिया। इसके बाद ज्वेरेव की हार तय लग रही थी पर पांचवें सेट में, ज्वेरेव ने अपने अनुभव क इस्तेमाल करते हुए कोबोली की सर्विस दो बार तोड़ी और लगातार अंक हासिल हुए 6-1 से यह सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। यह जीत ज्वेरेव के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे पहले वह तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में हारे हैं। वह 2020 यूएस ओपन, 2024 फेंच ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जीत के करीब पहुंचकर भी हार गए थे। इस बार जर्मन खिलाड़ी ने मानसिक मजबूती बनाये रखकर मुकाबले में जीत दर्ज की। इसी के साथ ही ज्वेरेव फेंच वापसी करते हुए खिताब जीतने वाले पहले जर्मन पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले, 1937 में जर्मनी के हेनर हेन्केल ने रोलॉ गैरौस का खिताब जीता था। इस लिहाज से, ज्वेरेव ने 89 साल के लंबे इंतजार को समाप्त करते हुए ये ट्रॉफी जीती है।

ट्राई-सीरीज : इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच आज पहला मैच, सूर्यवंशी पर रहेगी नजर



मुम्बई । मंगलवार 09 जून 2026 से इंडिया ए और अफगानिस्तान ए के बीच 7 मैचों की वनडे ट्राई सीरीज शुरू हो रही है। पहला मैच इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच खेला जाएगा और इस दौरान सभी की नजरें युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी पर रहेगी । सूर्यवंशी का क्रेज जबरदस्त है । स्काड में उनका नाम घोषित होने के बाद ब्रॉडकास्टर्स ने अपनी रणनीति पर फिर से विचार किया । असल में इस सीरीज के लिए कोई ब्रॉडकास्टिंग चैनल तय नहीं था । इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक BCCI की घोषणा के बाद सीनी स्पोर्ट्स मैच को लाइव दिखाने के लिए तैयार हो गया ।

ब्राजील ने चोटिल वेस्ली की जगह अपनी विश्वकप टीम में एडरसन को किया शामिल



ब्रासीलिया । ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एसेलोटी ने चोटिल डिफेंडर वेस्ली की जगह अपनी विश्वकप टीम में मिडफील्डर एडरसन को शामिल किया है । मिस्र के खिलाफ शनिवार को ब्राजील की 2-1 से मैत्री जीत में खेलने वाले वेस्ली को बाएं पैर की जांच की मांसपेशी में खिंचाव के कारण बाहर होना पड़ा । बाद में मेडिकल टेस्ट से पुष्टि हुई कि इस चोट के कारण रोमा के विंग-बैक खिलाड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे । ब्राजीलियन फुटबॉल परिसंघ (CBF) ने जारी एक बयान में कहा कि वेस्ली ' टीम के बहुत वहेते ' हैं और वर्ल्डकप में न खेल पाने के बावजूद उन्हें टीम की भविष्य की योजनाओं का हिस्सा माना जाएगा। ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एसेलोटी ने पुष्टि की है कि अंतिम मंजूरी मिलने के बाद अटलांटा के एडरसन को 26 खिलाड़ियों वाली टीम में उनकी जगह बुलाया जाएगा। उम्मीद है कि एडरसन सोमवार को न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में राष्ट्रीय टीम के ट्रेनिंग कैंप में शामिल होंगे । 26 वर्षीय एडरसन ब्राजील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए तीन बार सीनियर स्तर पर खेल चुके हैं, जिसमें लगभग दो साल पहले मैक्सिको के खिलाफ एक मैत्री मैच में शुरुआती लाइन-अप में शामिल होना भी शामिल है । वह कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका में होने वाले विश्वकप में खेलने वाले 60 से अधिक सीरी-ए खिलाड़ियों में से एक हैं । ब्राजील अपने विश्व कप ग्रुप सी अभियान की शुरुआत 13 जून को मोरक्को के खिलाफ करेगा, इसके बाद 19 जून को हैती और 24 जून को स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच होंगे ।

फ्लोरेंटिनो पेरेंज चुनाव जीते, साल 2030 तक रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट बने रहेंगे

मैड्रिड रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट फ्लोरेंटिनो पेरेंज को एक बार फिर चुनावों में जीत हासिल हुई । दो दशक के बाद हुए इन चुनावों के बाद अब वह साल 2030 तक के लिए रियल के प्रेसिडेंट बने रहेंगे । 79 वर्षीय पेरेंज को अब अगले चार साल तक वलब संभालने की जिम्मेदारी मिल गयी है । वहीं वलब के इलेक्टोरल बॉर्ड द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पेरेंज को कुल वोटों में से 65 फीसदी हासिल किये । उन्हें 21,741 सॉसियोस (वलब के सदस्य-मालिक) के वोट मिले । वहीं उनके विरोधी 37 वर्षीय रिन्यूएबल एनर्जी एंटरप्रेन्योर एनरिक रिबेल्मे को केवल 11,814 वोट ही मिले, जो कुल वोटों का 35 फीसदी था । रियल मैड्रिड के इलेक्टोरल बोर्ड ने 100 फीसदी इन-पर्सन और मेल-इन वोटों की गिनती के बाद घोषणा की कि पेरेंज की टीम ने रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चुनाव जीत लिए हैं । रियल मैड्रिड सिटी फुटबॉल क्लब पवेलियन में कुल 33,555 सदस्यों ने इन-पर्सन और मेल-इन बिलेट के जरिए मतदान किया । दोबारा चुने जाने के बाद, पेरेंज ने अपनी जीत को एक बहुत अच्छा परिणाम बताया । उन्होंने कहा, हम चुनाव जीत गए हैं और खिताब जीतते रहने के लिए काम करते रहेंगे । हमने सभी पोलिंग स्टेशन पर जीत हासिल की है रियल मैड्रिड के रियल मैड्रिड के इतिहास में दूसरा सबसे बेहतरीन परिणाम दर्ज किया है । फ्लोरेंटिनो पेरेंज की इस जीत के साथ ही रियल मैड्रिड में अब बड़े बदलाव की तैयारी है । उनकी वापसी का मतलब है कि सोमवार को जसो मोरिनहो को वलब का नया मैनेजर आधिकारिक रूप से घोषित किया जा सकता है । रिपोर्टों के अनुसार, मोरिनहो की टीम में वापस लाने के लिए रियल मैड्रिड पुर्तगाली वलब बेनफिका को 1.5 करोड़ यूरो (15 मिलियन यूरो) की रिलीज फीस को भुगतान करेगा ।



हॉलीवुड स्टार से बेटी की तुलना पर खुश होती हैं महिमा चौधरी



महिमा चौधरी अपनी बेटी को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो रही उन पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है, जिनमें उनकी बेटी एरियाना मुखर्जी की तुलना अमेरिकी एक्ट्रेस मिका अब्दुल्ला से की जा रही है।

है। कई फैंस तो 'ऑफ कैपस' की स्टार मिका को एरियाना की हमशक्ल भी कह रहे हैं। सोशल मीडिया पर एरियाना चौधरी और मिका अब्दुल्ला के बीच तुलना को लेकर खूब चर्चा है। मिका, प्राइम वीडियो की पॉपुलर सीरीज 'ऑफ कैपस' में ऐली हेस का किरदार निभाती हैं। कई यूजर्स ने यह भी बताया कि मिका काफी हद तक महिमा चौधरी के जवानी के दिनों की तरह दिखती हैं।

एरियाना ने नहीं शुरू की एक्टिंग इस वायरल ट्वेंड पर हंसते हुए महिमा ने बताया कि उनके दोस्त, परिवार और फैंस लगातार उन्हें इस हॉलीवुड एक्टर के विलप और स्क्रीनशॉट भेज रहे हैं। महिमा चौधरी ने हिंदुस्तान टाइम्स से कहा, 'हां, मुझे पता है। मुझे वह (एरियाना) बहुत पसंद है, वह कमाल की है। दो अलग-अलग महाद्वीपों के लोगों में इतनी जबरदस्त समानता कैसे हो सकती है? यह समानता इतनी ज्यादा चर्चा का विषय बन गई कि कुछ लोगों को तो यह भी लगने लगा कि एरियाना ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया है। मैंने उन्हें बताया कि उनसे अभी एक्टिंग नहीं शुरू की है।'

तुलना पर खुश हैं महिमा महिमा ने कहा कि उन्हें ये तुलनाएं प्यारी लगती हैं। उन्होंने कहा 'किसी इतने प्यारे इंसान को देखना और यह सुनना कि आप दोनों एक जैसे दिखते हैं, बहुत अच्छा लगता है। मैं इस समानता से बहुत उत्साहित हूं क्योंकि मुझे वह बहुत प्यारी लगती है। अगर लोग कहते हैं कि मैं उसके जैसी दिखती हूं या एरियाना उसके जैसी दिखती है, तो मैं बहुत खुश होती हूं।'



मिलाप जावेरी की रोमांटिक फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' डेब्यू कर रहे हैं अमन इंद्र कुमार

पिछले साल 'एक दीवाने की दीवानियात' जैसी रोमांटिक फिल्म देने वाले निर्देशक मिलाप जावेरी अब एक और रोमांटिक फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म से निर्देशक इंद्र कुमार के बेटे अमन इंद्र कुमार बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। फरवरी में जारी हुए फिल्म के फर्स्ट लुक के बाद अब फिल्म की नई रिलीज डेट सामने आ गई है। मेकर्स ने आज फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। फिल्म का एक पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने ये कफर्म

किया कि 'तेरा यार हूं मैं' 31 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इसके साथ ही केप्टन में मेकर्स ने लिखा, 'प्यार, दोस्ती, इमोशन और संगीत के लिए तैयार हो जाइए। तेरा यार हूं मैं 31 जुलाई को सिनेमाघरों में आ रही है।' इसके साथ ही मेकर्स ने कंफर्म किया कि फिल्म से इंद्र कुमार के बेटे अमन कुमार अपनी शुरुआत कर रहे हैं। उनके साथ आकांक्षा शर्मा इस प्यार, ड्रामा, कॉमेडी और एक्शन से भरपूर म्यूजिकल लव स्टोरी में नजर आएंगी।

अल्फा किलर बनकर दुश्मनों का सफाया करेंगी आलिया भट्ट

यशराज फिल्म्स की आगामी स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। फिल्म में अभिनेत्री आलिया भट्ट एक स्पाई की भूमिका निभाती नजर आएंगी। प्रोडक्शन टीम के करीबी सूत्रों ने आईएनएस को बताया कि अभिनेत्री आलिया भट्ट एक दमदार और घातक किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने कहा, 'वह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में 'अल्फा किलर' की भूमिका में दिखाई देंगी, जिसे केवल दुश्मनों का सफाया करने के लिए तैयार किया गया है और विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।' सूत्रों के मुताबिक, वाईआरएफ के प्रमुख आदित्य चोपड़ा इस बार दर्शकों के सामने एक बिल्कुल नया और आकर्षक नायक प्रस्तुत करना चाहते हैं, जिसे लोग उसके सही या गलत कार्यों के आधार पर न आँकें, बल्कि उसे ऐसे व्यक्ति के रूप में देखें जो अपनी शर्तों पर जीवन जीता है और वही करता है जो उसे सही लगता है।

सूत्रों ने बताया, 'आज के समय में नायक-नायिका को देखने का यह एक बिल्कुल नया नजरिया है, क्योंकि दर्शक पर्दे पर रोमांचक और मनोरंजक किरदार देखना चाहते हैं।' 'अल्फा' में आलिया का किरदार भी कुछ ऐसा ही होगा। उन्होंने आगे कहा, 'इस फिल्म के जरिए आदित्य चोपड़ा अपने स्पाई यूनिवर्स में एक बड़ा रचनात्मक बदलाव करने जा रहे हैं, जिसकी इस फ्रेंचाइजी को काफी समय से जरूरत थी। यह पहली बार होगा जब इस यूनिवर्स की कोई फिल्म पूरी तरह एक महिला प्रमुख किरदार के दमदार एक्शन और उसकी कहानी पर आधारित होगी।' वाईआरएफ के प्रवक्ता ने आईएनएस से कहा, 'हम फिलहाल केवल इतना ही कह सकते हैं कि सभी को 'अल्फा' के पहले टीजर या झलक का इंतजार करना चाहिए। इस समय हम इन चर्चाओं की न तो पुष्टि कर सकते हैं और न ही इनसे इनकार कर सकते हैं।' यश राज फिल्म्स की बहुचर्चित स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला-प्रधान फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट के साथ शरवरी वाघ भी मुख्य भूमिका में हैं, जबकि बाँबी देओल इसमें मुख्य खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे।

'जिगरा' में मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों पर वेदांग रैना ने दी प्रतिक्रिया

वेदांग रैना जल्द ही इम्टियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आएंगे। अभिनेता इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में वेदांग रैना ने आलिया भट्ट के साथ अपनी फिल्म 'जिगरा' को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने फिल्म में मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों पर भी प्रतिक्रिया दी और इनके पीछे की सच्चाई से रुबरु कराया।

बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई बातें हाल ही में कर्ली टैल्स के साथ बातचीत में वेदांग से उनकी पिछली फिल्म 'जिग्ग' की तैयारी के दौरान उनके मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों के बारे में पूछा गया। 'जिगरा' के एक सीन की तैयारी के दौरान खुद को आठ दिनों तक कमरे में बंद रखने की अफवाहों पर जवाब देते हुए वेदांग ने कहा कि ये दावे बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए हैं और सेट पर जो हुआ उससे बिल्कुल अलग हैं। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। अभिनेता ने स्पष्ट किया कि एक दिन शूटिंग के दौरान एक बेहद चुनौतीपूर्ण दिन था। अपनी एक्टिंग प्रोसेस को समझने के दौरान वेदांग ने खुद को अपनी वैनिटी वैन में अलग कर लिया, बतिया बंद कर दी। इस दौरान सीन के लिए जरूरी इमोशनली कंडीशन में पहुंचने के लिए कुछ समय के लिए किसी से बातचीत भी नहीं की। हालांकि, मेथड एक्टिंग के तहत आठ दिनों तक खुद को बंद रखने की अफवाहें सच नहीं थीं। मैं ऐसा दोबारा कभी नहीं करूंगा।

बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं थी 'जिग्ग' वासन बाला द्वारा निर्देशित 'जिगरा' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म में वेदांग रैना ने आलिया भट्ट के भाई की भूमिका निभाई थी। 2024 में रिलीज हुई यह फिल्म

बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही थी।

12 जून को रिलीज होगी 'मैं वापस आऊंगा'

वेदांग अब इम्टियाज अली की 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आएंगे। विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित इस प्रेम कहानी में वेदांग के साथ दिलजीत दोसाझा, शरवरी और नसीरुद्दीन शाह भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



आमिर खान की 'तारे जमीन पर' जैसा महसूस कराएगी फिल्म 'भमरदो'

आज के समय में क्षेत्रीय सिनेमा लगातार नई और अलग कहानियों के जरिए दर्शकों का ध्यान खींच रहा है। खास तौर पर गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी फिल्मों की संख्या बढ़ रही है, जो समाज को एक मजबूत संदेश भी देती हैं। अब इसी कड़ी में एक नई गुजराती फिल्म 'भमरदो' चर्चा में बनी हुई है। फिल्म को लेकर अभिनेता हेतल पुनीवाला ने कई दिलचस्प बातें साझा की। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में उनका किरदार प्रेरणादायक है। हेतल पुनीवाला ने कहा, 'फिल्म में मेरा किरदार 'भमरदो' नाम की प्रतियोगिता के बारे में बच्चों को समझाता है। वह बताता है कि अगर कोई बच्चा इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो उसे स्कॉलरशिप मिल सकती है। एक बच्चा ऐसा है, जो शुरुआत में इस खेल के बारे में कुछ नहीं जानता। उसे यह तक नहीं पता होता कि 'भमरदो' कैसे खेला जाता है। इसके बाद कहानी उस बच्चे के संघर्ष और मेहनत को दिखाती है कि कैसे वह बच्चा आर्थिक परेशानियों के बावजूद हार नहीं मानता और लगातार सीखते हुए प्रतियोगिता तक पहुंचने की कोशिश करता है।' अपने किरदार के बारे में बात करते हुए हेतल ने कहा, 'शुरुआत में मुझे अंदाजा नहीं था कि यह रोल इतना भावुक होगा। फिल्म में कुछ ऐसे सीन्स हैं, जो दर्शकों को अंदर तक महसूस होंगे। इसमें वैसी ही भावनात्मक गहराई है, जैसी लोगों ने आमिर खान की 'तारे

जमीन पर' जैसी फिल्मों में महसूस की थी।' हेतल ने कहा, 'जब फिल्म की शूटिंग शुरू हुई थी, तब मुझे पूरी कहानी के बारे में जानकारी नहीं थी। मुझे सिर्फ अपने किरदार के बारे में बताया गया था। इस वजह से मैं शुरुआत में थोड़े भ्रम में था कि आखिर फिल्म किस तरह की होगी। शूटिंग के दौरान भी मुझे कहानी का पूरा अंदाजा नहीं था। जब बाद में मैं पूरी फिल्म देखी, तो मुझे महसूस हुआ कि यह बहुत अच्छी और दिल को छू लेने वाली फिल्म है। मुझे यकीन है कि दर्शकों को यह कहानी जरूर पसंद आएगी।' अभिनेता ने एक और दिलचस्प बात साझा करते हुए बताया कि वह लगभग इस फिल्म की हिस्सा बनने से रह गए थे। दरअसल, उनकी डेट्स किसी दूसरी शूटिंग के साथ टकरा रही थीं। इसी वजह से वह फिल्म करने को लेकर असमंजस में थे। तभी मशहूर शख्सियत बाबूभाई थेबा ने उन्हें फोन किया और इस किरदार के बारे में विस्तार से समझाया। हेतल ने कहा, 'मैं बाबूभाई पर बहुत भरोसा करता हूं। जब उन्होंने किरदार की अहमियत और कहानी की भावना को समझाया, तो मैंने तुरंत फिल्म के लिए हामी भर दी।' फिल्म की शूटिंग का अनुभव भी अभिनेता के लिए आसान नहीं रहा। हेतल ने कहा, 'शूटिंग बेहद कठिन परिस्थितियों में हुई। इसके बावजूद पूरी टीम ने हिम्मत नहीं हारी और सभी ने मिलकर शूटिंग पूरी की।

मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपनी पसंद चुनने की पूरी आजादी है



वेब सीरीज 'चिरैया' को लेकर चर्चा में आई दिव्या दत्ता ने कहा- वटरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से पिक्चर साफ थी कि मुझे एक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। उन्होंने कहा- सबसे अहम सीख फिल्म वीर-जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली।

कई कलाकार अपने किरदारों से पहचाने जाते हैं लेकिन दिव्या दत्ता उन चेहरों में से हैं, जो हर किरदार में खुद को थोड़ा-थोड़ा छेड़ती चली जाती हैं। लुधियाना की सादगी से लेकर सिनेमा की गहराइयों तक उनका सफर किसी शोर का नहीं बल्कि एक शांत भरोसे का रहा है, दिल की सुनने का भरोसा। उनके लिए अभिनय सिर्फ संवाद नहीं, खामोशियों को महसूस करने की कला है। फैसले हां या किरदार, वे आज भी उसी रास्ते पर चलती हैं, जहां दिमाग से पहले दिल जवाब देता है और शायद यही उन्हें अलग बनाता है। लखनऊ में शूट हुई वेब सीरीज 'चिरैया' के लिए शहर आई दिव्या दत्ता से खास बातचीत।

दिल से बड़ा मेरा कोई साथी नहीं

लुधियाना में पली-बढ़ी दिव्या दत्ता कहती हैं कि मैंने अपने घर से बहुत कुछ सीखा है लेकिन कई बातें वक्त के साथ समझ में आती हैं। फिल्मों और शोज को चुनते समय मैं सिर्फ दिल की सुनती हूं। मुझे लगता है कि जो काम मैं दिल से करूंगी, वही मुझे आगे बढ़ने का मोका देगा। मेरे फैसले पहले भी दिल से होते थे और आज भी वही तरीका है क्योंकि दिल से बड़ा कोई साथी नहीं होता है। यही वजह है कि डॉक्टरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से पिक्चर साफ थी कि मुझे एक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। मैं खुद को खुशकिस्मत भी मानती हूं कि मां ने मुझे अपनी पसंद चुनने की पूरी आजादी दी थी।

माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो

मैंने कई अनुभवी कलाकारों के साथ काम करते हुए बहुत कुछ सीखा है। हालांकि, मुझे सबसे अहम सीख फिल्म वीर-जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली। उस वक्त मुझे कैमरा एंगल्स का ज्यादा आइडिया नहीं था। उन्होंने खुद मुझे सही जगह पर खड़े होने में मदद की। वह इतने बड़े सुपरस्टार हैं, उन्हें क्या जरूरत थी मेरे लिए आगे आने की पर वो

आए। उन्होंने यह भी कहा था कि मैं हर जगह मौजूद नहीं रहूंगा तो तुम्हें चीजें अपने हिसाब से बेहतर करनी होंगी। मुझे यह बात हमेशा याद रही। आज अगर मैं सीनियर हो गई हूं तो कोशिश करती हूं कि नए लोगों की जितनी मदद कर सकूँ, करूँ। सबसे जरूरी बात यही है कि सेट पर लोग एक-दूसरे के साथ कंफर्टेबल महसूस करें। काम तभी अच्छे से होता है, जब माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो।

भीतर का शांत जागरण है

चिरैया किसी लाउड विद्रोह की कहानी नहीं है बल्कि भीतर होने वाले एक शांत जागरण की बात करती है। हर दृश्य का अपना स्वभाव होता है। कभी कुछ कहना जरूरी होता है और कभी बिल्कुल शांत रहना। सब कुछ सीन के पूरे ढांचे पर निर्भर करता है। जैसे सीन की मांग होती है, वैसा ही भाव अपनाया जाता है। कहीं शब्द जरूरी होते हैं, कहीं खामोशी ही सबसे बड़ा संवाद बन जाती है। मुझे लगता है कि सवाल से ज्यादा जरूरी है उसे कहने का तरीका। बात किस शांति से, किस प्यार से और किस सम्मान के साथ कही जाती है, यही फर्क पैदा करता है। 'शादी कोई लाइसेंस नहीं है' जैसे संवाद सवाल जरूर उठाते हैं, लेकिन किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं बल्कि सोचने के लिए मजबूर करने के इरादे से।

